राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 22 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-265 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, एक्यूआई 506 पार, उत्तर भारत में बढ़ी सर्दी

नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। गुरुवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 506 दर्ज किया गया, जो गंभीर और खतरनाक श्रेणी में आता है। अंतरराष्ट्रीय संस्था आईक्यू एयर की लाइव रैंकिंग के अनुसार दिल्ली इस समय दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने नवंबर-दिसंबर में सभी स्कूलों में खेल आयोजनों पर रोक लगा दी है। इससे पहले 18 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली-एनसीआर में खराब होती हवा को लेकर स्कूलों में स्पोर्ट्स गतिविधियां न करने की हिदायत दी थी। उत्तर भारत में सर्दी और कोहरा मध्य प्रदेश के 12 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है। मध्य प्रदेश में पिछले 15 दिनों से कड़ाके की ठंड जारी है। राजगढ़ सबसे ठंडा रहा, यहां तापमान 7.5 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर, शाजापुर, सीहोर सहित 12 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा है। इसके साथ ही जबलपुर के भेड़ाघाट में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने इंदौर, भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। गौरतलब है कि पहाड़ी राज्यों में हुई बर्फबारी की वजह से मैदानी एमपी में ठंड और बढ़ गई है।

25 नवंबर को राममंदिर के शिखर पर होगा ध्वजारोहण, घर पर बैठ करें श्रीराम की पूजा

शिखर ध्वजारोहण का समय अभिजीत मुहूर्त में, इसमें श्रीराम को हुआ था जन्म

अयोध्या अयोध्या में राममंदिर के शिखर पर होने वाला ध्वजारोहण कार्यक्रम सनातन प्रेमियों के लिए गौरवशाली क्षण है। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अब यह पवित्र ध्वज मंदिर के निर्माण कार्य की पूर्णता और भक्तों की अटूट आस्था की विजय का प्रतीक बनेगा। राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम 25 नवंबर को आयोजित किया जाएगा, जो कि मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन भगवान राम और सीता का विवाह हुआ था, जिसे विवाह पंचमी के रूप में मनाया जाता है। मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण का सबसे शुभ समय अभिजीत मुहूर्त में तय किया गया है। यह मुहूर्त सभी शुभ मुहूर्तों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। शास्त्रों में मान्यता है कि इस मुहूर्त में शुरू किया गया कोई भी कार्य निश्चित रूप से सफल होता है और व्यक्ति को विजय प्राप्त होती है। इसी मुहूर्त में भगवान राम का जन्म भी हुआ था, जो इसे और भी ज्यादा पवित्र और तेजस्वी बनाता है। ज्योतिष के जानकारों के मुताबिक केसरिया रंग का यह धर्म ध्वज, जिस पर भगवान सूर्यदेव विराजमान हैं, केतु की आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। इसका फहराया जाना सभी प्रकार के ग्रह दोषों को शांत करता है और उस स्थान की सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाकर आस-पास खुशियों का वास करता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने गंभीर के खिलाफ मामला खारिज किया

नई दिल्ली दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और पूर्व सांसद गौतम गंभीर के खिलाफ कोविड-19 महामारी के दौरान दवाओं के कथित भंडारण और बिना लाइसेंस वितरण के मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट ने पाया कि जांच में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला, जिससे यह साबित हो कि गंभीर या उनके फाउंडेशन ने किसी भी तरह से दवाओं का अनुचित लाभ उठाया या अवैध तरीके से वितरण किया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) की तत्कालीन दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग ने पूर्वी दिल्ली के तत्कालीन सांसद गंभीर, उनके एनजीओ, फाउंडेशन की सीईओ अपराजिता सिंह, गौतम गंभीर की मां सीमा गंभीर और पत्नी नताशा के खिलाफ औषधि एवं कॉस्मेटिक्स अधिनियम की धारा 18(सी) के साथ धारा 27 (बी) (2) के तहत शिकायत दर्ज करायी थी। इसमें औषधि एवं कॉस्मेटिक्स अधिनियम की धारा 18(सी) बिना लाइसेंस दवाओं के निर्माण, बिक्री या वितरण को प्रतिबंधित करती है, जबकि 27(बी) (2) में बगैर लाइसेंस दवा वितरण पर 3-5 साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इस मामले में गंभीर के अलावा, नताशा गंभीर, सीमा गंभीर और अपराजिता सिंह को भी नोटिस भेजा गया था। सितंबर 2021 में हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाई थी। इसके बाद दलीलों का दौर चलता रहा और अप्रैल 2024 में अदालत ने यह स्थगन हटा लिया।

दुबई एयर शो में भारतीय तेजस क्रैश

कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के दिए आदेश

नई दिल्ली

दुबई एयर शो 2025 में शुक्रवार दोपहर एक बड़ी दुर्घटना हो गई, जिसमें पायलट की मौत हो गई।

दरअसल भारतीय वायुसेना का अत्याधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायुसेना ने दुर्घटना की गहन जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश जारी कर दिए हैं।

जानकारी अनुसार तेजस दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना उस वक्त हुई, जब तेजस निर्धारित एरोबेटिक अभ्यास के लिए उड़ान भर रहा था। दुर्घटना किन कारणों से हुई इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। वायुसेना विस्तृत जानकारी जुटा रही है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए आधिकारिक बयान में कहा है, कि उनका एक तेजस विमान दुबई एयर शो-25 के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घटना क्यों हुई इसके संबंध में तथ्य जुटाए जा रहे हैं। जैसे ही तथ्य व सत्यता संबंधी विवरण उपलब्ध होंगे, उन्हें साझा किया जाएगा। वायुसेना ने पायलट की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में पायलट को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इसी के साथ ही भारतीय वायुसेना ने पायलट की मौत पर दुख जताते हुए कहा, वायुसेना इस अपूर्णीय क्षति पर गहरा दुख प्रकट करती है और इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

तेजस दुर्घटना पर भारतीय वायुसेना ने कारण जानने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित करने की घोषणा की है। जांच दल तेजस उड़ान के तकनीकी, परिचालन और सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलू का विस्तृत अध्ययन करेगा, ताकि वास्तविक कारणों की पुष्टि की जा सके। बताया जा रहा है कि विमान क्रैश होने के तुरंत बाद ही एयर शो के आपातकालीन प्रबंधन दल और स्थानीय प्रशासनिक इकाइयों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। प्रारंभिक राहत और सुरक्षा उपाय युद्धस्तर पर लागू किए गए।

हल्का बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है तेजस

तेजस भारत का स्वदेशी हल्का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है। दुबई एयर शो-2025 में इसका प्रदर्शन भारत की एयरोस्पेस क्षमताओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक बेहतर अवसर माना जा रहा था। संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित हो रहे दुबई एयर शो 2025 में भारत ने अपनी उन्नत रक्षा शक्ति, प्रौद्योगिकी और उद्योग क्षमताओं का व्यापक प्रदर्शन किया है।

बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

भुज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरिपुर भुज स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 61वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने शहीद जवानों के स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद 1965 में सीमा सुरक्षा बढ़ाने बीएसएफ की स्थापना की गई थी। शुरुआत में, बीएसएफ की 25 बटालियनों को शामिल किया था और समय के साथ, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र आदि में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए जरुरत के अनुसार इसका विस्तार हुआ। वर्तमान में बीएसएफ में 193 (3 एनडीआरएफ सहित) बटालियन और सात बीएसएफ आर्टिलरी रेजिमेंट हैं।

जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा की रक्षा करती हैं।

इसके अतिरिक्त, बीएसएफ कश्मीर घाटी में घुसपैठ रोधी भूमिका, पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद रोधी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में नक्सल रोधी अभियान तथा पाकिस्तान और बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एकीकृत जांच चौकियों की सुरक्षा देती है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने 118 से अधिक पाकिस्तानी चौकियों को नष्ट और क्षतिग्रस्त किया।

शांति काल में भी, बीएसएफ पाकिस्तानी चौकियों पर नज़र

रखने के लिए सतर्क रहती है और सटीक खुफिया जानकारी और सबसे कम संभव समय में जब वे अधिकतम नुकसान पहुँचाएँ के आधार पर उन पर हमला करती है। बीएसएफ दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है, जिसमें 2.7 लाख से ज़्यादा जवान कार्यरत हैं और पिछले छह दशकों से भी ज़्यादा समय से इसने देश की मज़बूत सुरक्षा सुनिश्चित की है। बीएसएफ की 2024 की स्थापना दिवस परेड जोधपुर में आयोजित की गई, जहाँ शाह ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान जवानों के बलिदान को रेखांकित किया।

भारत पहुंचे तालिबानी मंत्री ने अमेरिका को सुनाई खरी खरी........ हमारे 9 अरब डॉलर नहीं लौटाए

नई दिल्ली

अफगानिस्तान के तालिबान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अल-हज नूरुद्दीन अजीजी की हाल की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों पर केंद्रित है।

भारत पहुंचे तालिबान के मंत्री अजीजी ने अमेरिका द्वारा फ्रीज किए गए अफगानिस्तान के लगभग 9 अरब डॉलर के विदेशी भंडार को तत्काल लौटाने की मांग की।

उन्होंने अमेरिका से भारत के अधीन ईरानी चाबहार पोर्ट पर लगे प्रतिबंधों से छूट देने की मांग की। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने उनके 9 अरब डॉलर वापस नहीं किए हैं, पाकिस्तान के साथ बॉर्डर बंद है, और जब वे नए रास्ते (चाबहार) ढूंढते हैं, तब अमेरिका उस पर बैन लगा देता है। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार पोर्ट भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है जो पाकिस्तान के रास्ते को पूरी तरह से दरकिनार करता है।

भारत का निवेशः भारत ने 2016 में हुए त्रिपक्षीय समझौते के तहत शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल को विकसित करने के लिए 500 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) ने 2024-25 तक 120 मिलियन डॉलर अतिरिक्त निवेश की घोषणा की है।

व्यापारिक वस्तुएँः भारत से अफगानिस्तान गेहूं, दालें, दवाइयां और मशीनरी खरीदता है। जब अफगानिस्तान से भारत सूखे मेवा (बादाम, पिस्ता, अंजीर), कालीन और लैपिस लाजुली खरीदता है।

भारत-इजराइल के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हुई चर्चा, टीओआर पर भी हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली

भारत और इजराइल के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर बातचीत शुरू हो गई है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से दी गई।

उन्होंने इजराइल के इकोनॉमी और इंडस्ट्री मंत्री के साथ तेल अवीव में टर्म ऑफ रेफरेंस (टीओआर) भी साइन किया, जो दोनों देशों के बीच चल रही एफटीए की बातचीत को मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच एक संतुलित और आपसी मुनाफेवाले एफटीए के लिए यह पहला लेकिन काफी अहम कदम है। इससे हमारे व्यापार, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा साझा उद्देश्य आपसी व्यापार में विविधता लाना और उसे बढ़ाना है, साथ ही सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करके एक बड़ा बाजार बनाना है, साथ ही अलग-अलग सेक्टर की कमियों को दूर करना है।

उन्होंने कहा कि हम दोनों पक्षों के लिए आपसी फायदेमंद नतीजा देने के लिए एक-दूसरे की खूबियों का फायदा उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने इंडिया-इजराइल सीईओ फोरम को भी संबोधित किया। फोरम में दोनों देशों के सीईओ ने हिस्सा लिया।

गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों ने एफटीए पर बातचीत के लिए प्रोसेस शुरू किया, जिसमें एग्रीकल्चर, पानी, हेल्थकेयर, डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इकॉनमी, क्लीन एनर्जी, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और हाई-टेक इनोवेशन के सेक्टर्स में हमारे तालमेल पर जोर दिया गया।

जी20 शिखर सम्मेलन में विकासशील देशों के मुद्दे रखेगा भारत

नई दिल्ली

अमेरिका ने जहां इस वर्ष के जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे दक्षिण अफ्रीका को चेतावनी दी है कि वह कोई संयुक्त बयान जारी न करे, वहीं भारत ने गुरुवार को कहा कि यह सम्मेलन विकासशील देशों से जुड़े कई प्रमुख मुद्दों को आगे बढ़ाएगा। इनमें आपदा जोखिम कम करने जैसे कई मुद्दे हैं, जिन्हें 2023 में भारत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन के दौरान भी उठाया गया था। अमेरिका ने इस बार जी20 शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया है। प्रधानमंत्री मोदी जोहानिसबर्ग में जी20 सम्मेलन के जिन तीन पूर्ण सत्रों को संबोधित करेंगे, उनमें पहला-

समावेशी और सतत आर्थिक विकास और व्यापार की भूमिका, विकास के लिए वित्तपोषण और ऋण का बोझ, दूसरा- आपदा जोखिम कम करना, जलवायु परिवर्तन, न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा तथा तीसरा- दुर्लभ खनिज, सुविचारित काम और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस शामिल हैं। शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी वहां मौजूद कुछ शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। वह भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका के नेताओं की बैठक में भी भाग लेंगे, जिसकी मेजबानी दक्षिण अफ्रीका कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेंगे। अफ्रीकी महाद्वीप के लिए यह पहला मौका है जब वह जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

महाराष्ट्र सरकार का आदेश.........सांसदों और विधायकों के आने पर खड़े होकर उनका अभिवादन करना अनिवार्य

मुंबई

महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सांसदों और विधायकों के साथ बातचीत हेतु जारी किए गए नए और सख्त दिशानिर्देशों की जानकारी है। अधिकारियों को अब निर्वाचित प्रतिनिधियों (सांसदों और विधायकों) के कार्यालय आने पर खड़े होकर उनका अभिवादन करना अनिवार्य है। बैठकों और संवाद के दौरान सम्मानजनक और विनम्र व्यवहार बनाए रखना होगा। इसे आचरण और शिष्टाचार का न्यूनतम मानक बताया गया है। बातचीत के दौरान विनम्र और पेशेवर भाषा का प्रयोग करना होगा। अशिष्टता या अपमानजनक व्यवहार सख्त वर्जित है। सांसदों और विधायकों से प्राप्त सभी पत्राचार के लिए एक अलग डिजिटल या भौतिक रजिस्टर रखना होगा। पत्राचार का जवाब दो महीने के भीतर भेजा जाना चाहिए। यदि अधिकारी समय पर जवाब देने में असमर्थ हैं, तो विभाग प्रमुख को प्रतिनिधि को देरी के लिए लिखित स्पष्टीकरण देना होगा।

बैठकों का समय आवंटन

अधिकारियों को हर महीने के पहले और तीसरे गुरुवार को दो घंटे विशेष रूप से सांसदों और विधायकों के साथ बैठकों के लिए आवंटित करना होगा।

अत्यावश्यक या महत्वपूर्ण मामलों के लिए इन निर्धारित घंटों के अलावा भी अधिकारी मिल सकते हैं।

उद्घाटन या स्थापना समारोह जैसे सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यक्रमों में संबंधित क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य है।

उनके नाम, पदनाम और प्रोटोकॉल-आधारित बैठने की व्यवस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। अधिकारियों को आरटीआई अधिनियम के तहत आने वाली सार्वजनिक जानकारी

सांसदों और विधायकों को निःशुल्क प्रदान करनी होगी। सार्वजनिक जानकारी को सुलभ बनाने के लिए आधिकारिक वेबसाइटों को नियमित रूप से अपडेट करने का निर्देश है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीवन मे एक ही मित्र काफ़ी होता है जो हर संकट मे कंधे से कंधा मिला कर चले

मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बाहर के तमाशा देखते हैं। आज अपनों को नीचे गिराया जाता है और बाहर के लोगों को उपर उठाया जाता है भेदभाव किया जाता है प्रतिभा को दबाया जाता है और चंद स्वार्थों के लिए बाहर के लोगों को फायदा पहुंचाया जाता है। आज कितने ही प्रतिभावान लोग है जिन्हे दरकिनार करके अयोग्य लोगों को मौका दिया जाता है।अनुभवहीन लोग आज इतने बड़े बन जाते है कि दूसरों को पाठ पढ़ाने लगते है कि कौन काम सही है और कौन गलत मगर सच्चाई सौ परदे फाड़ कर बाहर आती है तब ऐसे लोग खाक में मिल जाते है यह वक्त का कैसा तकाजा है कि आज सच्चे व इरादों के पक्के लोगों को मुख्यधारा से बाहर किया जा रहा हैं।

(लेखक- नरेंद्र भारती)

सच्चा मित्र वही होता है जो कभी भेदभाव नहीं करता मित्र गलत भी हो तब भी साथ नहीं छोड़ता. जीवन मे एक ही मित्र काफ़ी होता है जो हर संकट मे कंधे से कंधा मिला कर चले और कहे दोस्त कोई बात नहीं मै हूँ न घबराओ मत अंतिम सांस तक साथ निभाउंगा. आधुनिक इंटरनेट युग में ऐसे दोस्त विलुप्त हो चुके हैं. आज मतलबी दोस्त हो गए हैं मतलब खत्म दोस्ती खत्म हो जाती है. दोस्ती निस्वार्थ होनी चाहिए स्वार्थ नहीं होना चाहिए. अक्सर देखा गया है की आज मतलबी दोस्तों की संख्या बढ़ती जा रही है ऐसे उदाहारण बहुत हैं की जो लोग कभी सच्चे दोस्त थे आज अच्छी जॉब पर लग गए तो अपने दोस्तों को भूल गए और पहचानने से इंकार करते हैं लेकिन इतिहास साक्षी है की जो अपनी औकात भूल जाते हैं वक़्त उनको तहस नहस कर देता है. नए नए दोस्त जब बन जाते हैं तो पुराने दोस्त भुला दिए जाते हैं एक शायर ने कहा था की जिंदगी में हर चीज अच्छी होती है लेकिन दोस्त पुराने ही अच्छे होते हैं जो हर परिस्थिति से वाकिफ होते हैं. नए दोस्त सिर्फ नौ दिन चलते हैं जबकि पुराने ताउम्र चलते हैं. आज कुछ लोग अमीर बन गए तो पुराने दोस्तों को अनदेखा करते हैं अपना समय भूल गए हैं. गरीब के साथ रिश्ता छुपाते हैं. गरीब का स्वाभिमान बहुत बड़ा होता है वह स्वाभिमान से जीता है किसी को इग्नोर नहीं करता दिन रात बिना स्वार्थ के तत्पर रहता है लेकिन लोग उसका आदर नहीं करते. गरीब आदमी बेईमान नहीं होता नमक से खा लेता है किसी के आगे हाथ नहीं फैलाता. भाग्य अपना अपना है कोई झोपड़ी में ख़ुश है तो महलों में भी रोता है. भाग्य किसी की बपोती नहीं होती कर्म से भाग्य को बदला जा सकता है अच्छे कर्म करते रहिए. अपना अपना भाग्य होता है जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल मिलेगा. कर्म प्रधान होता है इसलिए कर्म करते रहिए. भाग्य किसी क़ो भी मिट्टी में मिला सकता है. भाग्य एक पल में किसी क़ो कंगाल बना दे यह किसी क़ो पता नहीं होता. दो जून की रोटी क़ो तरसने वाले आज अपना समय भूल चुके हैं. अच्छे कर्म जीवन क़ो स्वर्ग बना देते हैं और बुरे कर्म जीवन क़ो नर्क बना देते हैं. मानव क़ो अपने विवेक का प्रयोग करना चाहिए. आज कुछेक तथाकथित लोग तिगड़म करके ऐसे पदों पर विराजमान है जिसके वे काबिल नहीं है लेकिन सिफारिश के बलबूते स्थान हासिल करने वालों को एक दिन वक्त ज.र धूल चटाता है अरस्तु ने कहा था की जो सबका मित्र होता है वह किसी का मित्र नहीं होता वर्तमान परिपेक्षय में यह बात चरितार्थ हो रही है. कुछ लोग सबके साथ मित्रता रखते हैं लेकिन किसी के भी सच्चे मित्र नहीं हैं. सबको बेबकूफ बनाते हैं लेकिन ऐसा ज्यादा दिन नहीं चलता है एक दिन ऐसे लोगों का पर्दाफाश हो जाता है. ऐसे लोग गिरगिट प्रजाति के होते हैं यह इधर की बातें उधर करते हैं. ग़लतफहमीयां पैदा करते हैं. ऐसे लोग मौकापरस्त होत्ते हैं ऐसे लोगों का विश्वास नहीं करना चाहिए क्यूंकि ऐसे लोगों का कोई दिन मान नहीं होते यह अपने निजी स्वार्थ के लिए किसी की भी बलि दे सकते हैं ऐसे दोहरी मानसिकता वाले लोगों से समय रहते किनारा कर लेना चाहिए ऐसे लोग बहुत ही घातक होते हैं. यह दोस्तों में दरार डालते हैं. दोस्ती बराबर की न हो तो टूट जाती है एक विचारक ने कहा था की दोस्ती बराबर की होनी चाहिए अगर दोस्ती बराबर की न हो तो टूट जाती है. आजकल दोस्ती हैसियत देखकर की जाती है की उसका जीवन स्तर कितना ऊँचा है स्टेटस क्या है क्या जॉब करता है क्या उसके पास गाड़ी है बंगला है आलीशान मकान है यह दोस्ती का पैमाना है. ग़रीब अमीर की दोस्ती बहुत कम होती है क्यूंकि अमीर अपनी पैसे की धौंस जमाते है और गरीबों को दबाते हैं इग्नोर करते हैं और नीचा दिखाते हैं. कहते हैं सच्चे व पक्के दोस्त नसीब वालों को ही मिलते हैं आज सच्चे मित्र मिलना बहुत ही कठिन है. वास्तव में सच्चा मित्र वह होता है जो हमेशा हर दु:ख सुख व मुसीबत में हमारे साथ खड़ा रहता है. सुख दु:ख जीवन की धूप छावं होते हैं और जीवन में इनका आना जाना एक सतत प्रक्रिया है. जब वह प्रतिभा के आगे नहीं टिकता एक कहावत की घर का जोगड़ा बाहर का जोगी सिद्ध आज पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बाहर के तमाशा देखते हैं। आज अपनों को नीचे गिराया जाता है और बाहर के लोगों को उपर उठाया जाता है भेदभाव किया जाता है प्रतिभा को दबाया जाता है और चंद स्वार्थों के लिए बाहर के लोगों को फायदा पहुंचाया जाता है। आज कितने ही प्रतिभावान लोग है जिन्हे दरकिनार करके अयोग्य लोगों को मौका दिया जाता है।अनुभवहीन लोग आज इतने बड़े बन जाते है कि दूसरों को पाठ पढ़ाने लगते है कि कौन काम सही है और कौन गलत मगर सच्चाई सौ परदे फाड़ कर बाहर आती है तब ऐसे लोग खाक में मिल जाते है यह वक्त का कैसा तकाजा है कि आज सच्चे व इरादों के पक्के लोगों को मुख्यधारा से बाहर किया जा रहा हैं । मगर वक्त एक ऐसा तराजू है जिसके एक पलड़े में जिन्दगी और दूसरे पलड़े में मौत होती है जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है।जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से .खस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होंगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है।जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्व देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है।कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगी. आत्मकेन्द्रित लोग बहुत ही घातक होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए।समाज में ऐसे लोग किसी क़े नहीं होते है।आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए।कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है।

ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है।गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के .प में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपत्र मानव को लाचार व गरीब लोगों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं।रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है।मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए।

प्रतिभा किसी की मोहताज़ नहीं होती प्रतिभा कभी झुकने नहीं देती. प्रतिभायें शिखर पर जरूर पहुंचाती है. कहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता। जो भाग्य में है वह ज.र मिलेगा।देर ज.र है मगर सच ही पुरस्कृत होता है। सच्चाई के रास्ते पर चलते रहिए सच्चाई की हमेशा जीत होती है. सच कभी नहीं हारता. सच्चा मित्र वही होता है जो कभी भेदभाव नहीं करता मित्र गलत भी हो तब भी साथ नहीं छोड़ता.

संपादकीय

चुनौतियों वाली पारी

आखिरकार सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। जदयू सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही सत्ता का एक नया कार्यकाल शुरू कर दिया। यद्यपि हालिया चुनाव में भाजपा ने जदयू से ज्यादा सीटें हासिल करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी है, लेकिन इसके बावजूद चार कम सीट जीतने वाले जदयू के 74 वर्षीय दिग्गज को मुख्यमंत्री बने रहने देना ही बेहतर समझा है। वहीं सहयोगी दल भाजपा से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद बरकरार रहे। निस्संदेह, नीतीश का पिछला कार्यकाल उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने पहले भाजपा के साथ सरकार बनायी और मनभेद के चलते महागठबंधन में शामिल हुए। फिर पलटी लेकर भाजपा के साथ सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद बिहार की जनता ने उनकी इस उलट-पलट को माफ ही कर दिया। संभवत- उनकी इस अपील पर वोट दिया कि यह उनकी आखिरी पारी है। जनता ने उनके नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के स्थायित्व पर भरोसा जताया। शायद बिहार की जनता जंगल राज के दु-स्वप्न को नहीं भूली है। एक बात तो तय है कि राज्य की जनता ने तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद बिहार के भविष्य के लिये उन्हें बेहतर माना है। यही वजह है कि रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेने वाले नीतीश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सुशासन के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाला एक अनुभवी प्रशासक बताया है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा कब तक छोटे भाई की भूमिका में रहेगी? विपक्ष को संदेह है कि नीतीश शायद ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्हें आशंका है कि भाजपा किसी न किसी स्तर पर बिहार में पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाहेगी। राजनीतिक विश्लेषक महाराष्ट्र का उदाहरण देते हैं, जहां भाजपा ने पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और बाद में उन्हें हटाकर देवेंद्र फड़नवीस को कुर्सी पर बैठा दिया। वहीं कुछ राजनीतिक पंडितों का तर्क है कि भाजपा के पास केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए एनडीए सरकार को सहारा देने के लिये भाजपा को नीतीश के समर्थन की जरूरत बनी रहेगी। इस बात से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जदयू अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिये बेहतर स्थिति में है। बहरहाल, नीतीश की तात्कालिक प्राथमिकताएं बेरोजगारी दूर करने और पलायन पर अंकुश लगाने की होनी चाहिए। हकीकत यह है कि राज्य में रोजगार संकट के चलते बिहार के तीन घरों में से दो का एक सदस्य दूसरे राज्य में काम करने को मजबूर है। साथ ही नीतीश को सरकार बनाने में भरपूर समर्थन देने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रमुख चुनावी वायदे को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जदयू मजबूत और अक्षुण्ण बना रहे। यह अवश्यंभावी है कि भाजपा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी उन्हें सतर्क बनाए रखेगी। भाजपा के मन में यह कसक जरूर रहेगी कि सबसे बड़े दल के रूप में उदय होने पर भी पार्टी बिहार में अब तक अपनी सरकार नहीं बना पायी है। ऐसे में नीतीश को बाहरी विपक्षी से तो नहीं, गठबंधन के दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से जूझना पड़ेगा। वहीं प्रचंड बहुमत देने पर जनता की उम्मीदें भी उफान पर रहेंगी। राजग द्वारा चुनाव के दौरान तमाम वायदे किए गए थे, लेकिन राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति के मद्देनजर इन सब वायदों को पूरा करना आसान न होगा। वहीं दूसरी ओर नीतीश के सामने उनकी सेहत और बढ़ती उम्र को लेकर भी चुनौती पैदा हो सकती है। जिसको लेकर विपक्ष पूरे चुनाव अभियान के दौरान लगातार हमलावर बना रहा है।

शिक्षक और सड़क दोनों मंजिल तक पहुंचाने के कारगर सेतु

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे, जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति, मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व ख़जाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं,कि अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म ज़बूत ढाल का काम कर सकते हैं!वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,इसपर कुछ बातों को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे

साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे,

साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के ज़िन्दिगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के ज़रिये व्यक्ति ,समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने ज़िन्दिगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मज़बूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। ज़िन्दिगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूपी हाथों से एक मज़बूत आकार प्रदान करता है। शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है। शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टरकोई इंजीनियर ,कोई वकील , सीए, पायलट ,सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे । शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। देश का कृषि, व्यापार व औद्योगिक विकास परिवहन के साधनों पर ही निर्भर करता हैं। परिवहन एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय हैं। आज के परिपेक्ष में बिना सड़क के मानवीय जीवन अधूरा है। इसके बिना जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, हालांकि हजारों या सैकड़ों वर्षों पहले हमारे पूर्वज उस परिस्थितियों से दो चार हुए होंगे पर अभी आधुनिक डिजिटल युग में यह संभव नहीं।

साथियों बात अगर हम सड़क निर्माण के विशाल चरणों और सड़क के महत्व की करें तो, सड़क निर्माण में कार्य के कई चरण हैं, जैसे क्षेत्र सर्वेक्षण, मिट्टी सर्वेक्षण, यातायात सर्वेक्षण, ज्यामितिक डिज़ाइन, संरचनीय डिज़ाइन, और वास्तविक निर्माण क्षेत्र। भारत में सड़कें हाथों के श्रम से, या यंत्रों से, बनाई जाती है। पहले देश में मजदूर बहुतायत से मिलते थे जिसके कारण शारीरिक श्रम का ही अधिकतर प्रयोग किया जाता है, परंतु अब सब मशीनीकरण से हो गया है। भारतीय सड़कों का जाल विश्व का सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़क परिवहन छोटी एवं मध्यम दूरी तय करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह विश्वसनीय, तेज, लचीला तया मांगपूरित तरीका है, जो घर-घर जाकर सेवाएं उपलब्ध करा सकता है। यह गांवों को बाजारों, कस्बों, प्रशासनिक व सांस्कृतिक केन्द्रों से जोड़ता है और इस प्रकार उन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करता है। सड़क परिवहन सुदूरवर्ती पहाड़ी, मरुस्थलीय, जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ता है। सड़कें भी विभिन्न प्रकार के लोगों को अपनी मंजिल तक पहुंच आती है जैसे, राष्ट्रीय राजमार्ग-ये राजमार्ग देश की चौड़ाई एवं लंबाई के अनुसार बिछाये गये हैं। ये राज्यों की राजधानियों, बंदरगाहों, औद्योगिक व खनन क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय महत्व के शहरों एवं कस्बों को जोड़ते हैं।

प्रांतीय राजमार्ग- ये एक राज्य के भीतर व्यापारिक एवं सवारी यातायात के मुख्य आधार होते हैं। ये राज्य के प्रत्येक कस्बे को राज्य की राजधानी, सभी जिला मुख्यालयों, राज्य के महत्वपूर्ण स्थलों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संलग्न क्षेत्रों के साथ जोड़ते हैं। जिला सड़कें- ये सड़कें बड़े गांवों एवं कस्बों को एक-दूसरे से तथा जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। ये अधिकांशतया कच्ची होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव जिला परिषदों या सम्बंधित सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। ग्रामीण सड़कें- ये सड़कें गांवों को जिला सड़कों से जोड़ती हैं। ये सड़कें प्रायः कच्ची, संकरी तथा भारी वाहन यातायात के अनुपयुक्त होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाता है। इन चारों के अतिरिक्त, सड़कों के तीन और अन्य प्रकार हैं- सीमा सड़कें, अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग और द्रुत राजमार्ग। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शिक्षक और सड़क मंजिल तक पहुंचाने के सेतु हैं,शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं।

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट की राय से बेलगाम होंगे राज्यपाल?

(लेखक - सनत जैन)

भारत में संघीय व्यवस्था को सबसे बड़ा खतरा

20 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए संवैधानिक सवालों पर अपनी राय देते हुए यह स्पष्ट कर दिया है, कि राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए विधेयकों पर निर्णय लेने की कोई समय-सीमा तय नहीं की जा सकती है। अप्रैल 2025 में सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने तीन महीने की अनिवार्य समय-सीमा तय की थी। जिससे विपक्षी राज्यों की सरकारों को उम्मीद बंधी थी, कि केंद्र सरकार के इशारे पर राज्यपालों द्वारा विधेयक रोकने की जो राजनीति की जा रही थी, वह अब खत्म होगी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में हुई सुनवाई के बाद दो जजों की खंडपीठ का फैसला अब विवादों में आ गया है। सुप्रीम कोर्ट की राय दो जजों वाली खंडपीठ के फैसले के विपरीत है। यहीं से एक बड़ी कानूनी और राजनीतिक बहस शुरू होती है। सुप्रीम कोर्ट की इस राय से एक बार फिर राज्यपालों की शक्तियों को फिर से अनियंत्रित ताकत मिल गई है। इस ताकत मिलने के बाद क्या राज्यपाल ही राज्य के असली संवैधानिक मुखिया होंगे? दिल्ली सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में सारे देश ने यह देख लिया है, कि उपराज्यपाल निर्वाचित सरकार के ऊपर भारी पड़े। जो उपराज्यपाल चाहते थे वही काम दिल्ली सरकार को करने पड़े। भारत की संघीय लोकतांत्रिक संरचना तभी संतुलित रह सकती है जब केंद्र और राज्य दोनों संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करें। एक-दूसरे के अधिकारों पर हस्तक्षेप ना करें। पिछले वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा राज्यपालों के माध्यम से विपक्षी राज्यों की सरकार और वहां की विधानसभा पर अघोषित रूप से अधिकार में लेने की जो कोशिश की जा रही थी सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से राज्यपाल विधेयकों को मंजूरी देने में अब बिना किसी भय के राज्य सरकारों को केंद्र सरकार के इशारे पर परेशान करेंगे बिना कारण बताये। दिल्ली, तमिलनाडु, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल इसके उदाहरण हैं। जहां सरकारों को अपने ही राज्य की विधानसभा और निर्वाचित विधायकों द्वारा जो कानून बनाए गए थे उन्हें लागू कराने के लिए अदालत का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा। यही कारण था सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल वाले आदेश से उम्मीद जगी थी। केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच संस्थागत टकराव कम होगा। राज्यपालों की भूमिका स्पष्ट होगी। राज्य सरकार और राज्यपाल अपनी-अपनी भूमिका में काम करेंगे। 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने जो राय दी है, उसने स्थिति को एक बार फिर धुंधला बना दिया है। अदालत ने कहा है समय सीमा थोपने से न्यायपालिका, कार्यपालिका के कार्यों में हस्तक्षेप करेगी। जो संविधान के प्रावधान हैं उनके खिलाफ है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक लंबित नहीं रख सकते हैं। यदि देरी बिना कारण हो, तो अदालत सीमित दायरे में रहकर हस्तक्षेप कर सकती है। यही अनिश्चितता इस मामले को और जटिल बनाता है। राज्यपाल कब तक इंतजार करवा सकते हैं? अनिश्चितकाल नहीं का व्यावहारिक अर्थ क्या है? क्या फिर से हर राज्य को देरी होने पर कोर्ट जाना पड़ेगा? सबसे बड़ा खतरा यही है, यह अस्पष्टता राजनीतिक लाभ लेने वालों के लिए नया अवसर खोलती है। केंद्र सरकार के पास राज्यों से कई गुना ज्यादा अधिकार हैं। केंद्र सरकार राज्यपालों की नियुक्ति करती है। राज्यपाल एक संवैधानिक अधिकारी हैं। राजनीतिक निष्ठा के चलते राज्यपाल के पद पर ऐसे लोगों को नियुक्त किया जाता है जो किसी विशेष विचारधारा तथा किसी विशेष संगठन के रूप में कार्य करते हैं। राज्यपालों के उपर विवेकाधीन-शक्ति बिना समय-सीमा तथा बिना जिम्मेदारी के छोड़ दी जाती है। ऐसी स्थिति में विपक्ष-शासित राज्यों में विधायी प्रक्रिया को रोककर केंद्र में जो राजनीतिक दल बैठा है वह राज्यों में अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई को बढ़ावा देगा। संघीय ढांचे में केंद्र सरकार की अलग शक्तियां हैं तथा राज्य सरकारों को उनके राज्य के लिए अलग शक्तियां प्राप्त हैं। चुनी हुई सरकारों की शक्ति कानून बनाने और कानून का पालन कराने में निहित है। यदि राज्यपाल राजनीतिक कारणों से इस प्रक्रिया को महीनों, वर्षों तक रोक कर रखते हैं तब यह संविधान एवं लोकतांत्रिक जनादेश का घोर अपमान है। सवाल यह है, केंद्र एवं राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें हैं। मतदाताओं की केंद्र के लिए अलग दृष्टि है और राज्य के लिए अलग दृष्टि है। वह मतदान के जरिए अपनी राय व्यक्त करता है और अपने प्रतिनिधियों का निर्वाचन करता है।

सवाल यह है, क्या राज्य सरकारें अपना वैधानिक काम अपने राज्य के मतदाताओं के लिए समय पर कर पाएंगी या वह लगातार अदालतों के चक्कर काटती रहेंगी? सुप्रीम कोर्ट की राय ने एक खिड़की खोली है और एक खिड़की को बंद भी कर दिया है। अधखुली खिड़की से भारत की संघीय व्यवस्था में ठंडी हवा नहीं, बल्कि एक नया राजनीतिक तूफ़ान आना तय है। यह तूफान दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार और उपराज्यपाल के बीच में पहले ही देखने को मिल चुका है। अब यह सारे देश में देखने को मिलेगा। यह आशंका बन गई है। सुप्रीम कोर्ट ने जो राय राष्ट्रपति को भेजी है उसके बाद केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच एक नई बहस और सत्ता संतुलन के लिए नया संघर्ष शुरू होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईपीएफओ में बदलाव करेगी सरकार, एक करोड़ कर्मचारियों को होगा फायदा

वेतन सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 करने पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने नियमों में बड़ा बदलाव करने जा रही है। अभी तक ईपीएफ और ईपीएस में अनिवार्य रूप से शामिल होने की वेतन सीमा 15,000 रुपए प्रतिमाह है। सरकार अब इसे बढ़ाकर 25,000 करने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है, तो देश के एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों को पेंशन और भविष्य निधि का लाभ मिल सकेगा। वेतन सीमा को आखिरी बार 2014 में 6,500 से बढ़ाकर 15000 किया गया था। मौजूदा नियमों के मुताबिक 15,000 तक बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारियों को ईपीएफ और ईपीएस में शामिल करना जरूरी है। इससे ज्यादा कमाने वाले चाहें तो बाहर रह सकते हैं और कंपनियों को भी उन्हें जोड़ने की बाध्यता नहीं। इस वजह से निजी क्षेत्र के बहुत से कर्मचारी रिटायरमेंट बचत से वंचित रह जाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में एक कार्यक्रम के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस सर्विस के सचिव एम नगराजू ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि 15,000 से थोड़ा ज्यादा कमाने वाले कर्मचारियों को पेंशन कवर नहीं मिलता और वे बुजुर्ग होने पर बच्चों पर निर्भर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि पुराने हो चुके नियमों को अब वर्तमान आय और खर्च के हिसाब से अपडेट करना अनिवार्य हो गया है। अगर ईपीएफओ वेतन सीमा बढ़ाकर 25,000 कर देता है, तो केंद्रीय न्यासी बोर्ड इस प्रस्ताव को अगले साल की शुरुआत में मंजूरी दे सकता है। श्रम मंत्रालय के एक आकलन के मुताबिक सीमा में 10,000 की बढ़ोतरी से एक करोड़ से ज्यादा नए कर्मचारियों को पेंशन और भविष्य निधि का लाभ मिलेगा। कर्मचारी संगठनों ने भी लंबे समय से इसकी मांग की है क्योंकि बढ़ती महंगाई में पुरानी सीमा अब अप्रासंगिक हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब भी ज्यादातर लोगों के पास सुरक्षित रिटायरमेंट की कोई पक्की व्यवस्था नहीं है। ईपीएफ की सीमा बढ़ने से हजारों-लाखों कर्मचारी स्वतः सुरक्षित बचत योजनाओं से जुड़ जाएंगे। कर्मचारियों के लिए यह बदलाव फायदेमंद होगा क्योंकि इसका मतलब है ज्यादा मासिक योगदान, बड़ा ईपीएफ बैलेंस और भविष्य में उच्च पेंशन। इस समय कर्मचारी बेसिक सैलरी का 12 फीसदी ईपीएफ में जमा करते हैं और उतना ही योगदान नियोक्ता भी करते हैं। वेतन बढ़ने पर दोनों का योगदान बढ़ जाएगा।

टीसीएस डेटा सेंटर का कारोबार मजबूत, टीपीजी से जुटाए एक अरब डॉलर

टीसीएस और टीपीजी दोनों ने 18,000 करोड़ तक के निवेश का वादा किया

नई दिल्ली भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने डेटा सेंटर कारोबार 'हाइपरवॉल्ट' को रफ्तार देने वैश्विक वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म टीपीजी से एक अरब डॉलर जुटाए हैं, जिससे सबसे बड़ी एआई-रेडी तकनीकी सेवा कंपनी बनने की उसकी आकांक्षा को मजबूती मिली है। टीसीएस और टीपीजी दोनों ने कुछ सालों में 18,000 करोड़ रुपए तक के निवेश का वादा किया है, जिनमें से टीपीजी 8,820 करोड़ निवेश करेगी और हाइपरवॉल्ट में उसकी हिस्सेदारी 27.5 से 49 फीसदी के बीच रह सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस ने बयान में कहा है कि टीपीजी को रणनीतिक निवेश साझेदार के तौर पर लाने से कंपनी को अपने शेयरधारकों को बेहतर रिटर्न दिलाने अपने पूंजीगत खर्च को कम करने और डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के लिए दीर्घावधि मूल्य सृजित करने में मदद मिलेगी। 30 सितंबर, 2025 तक टीसीएस के पास 1.06 लाख करोड़ रुपए की नकदी या समतुल्य राशि थी। कंपनी पर कुल कर्ज 10,932 करोड़ रुपए था। यह पहला मौका जब टीसीएस ने भारी पूंजीगत खर्च की जरूरत वाले उद्योग पर दांव लगाया है। इससे पहले कंपनी अधिग्रहण के बजाय अपने कारोबार को बढ़ाने को तवज्जो दे रही थी। टीसीएस ने आखिरी बड़ा अधिग्रहण साल 2008 में 51.2 करोड़ डॉलर में सिटीग्रुप ग्लोबल सर्विसेज का किया था। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद कंपनी ने डेटा सेंटर सेगमेंट में आने का अपना इरादा बताया था। नतीजे जारी करते समय टीसीएस प्रबंधन ने कहा था कि कंपनी एक गीगावॉट क्षमता बनाना चाहती है जिसके लिए करीब 6.5 अरब से 7 अरब डॉलर निवेश की जरूरत पड़ेगी।

2031 तक भारत में एक अरब से ज्यादा 5 जी ग्राहक

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डेटा मार्केट्स

मुंबई

भारत 2031 तक एक अरब से ज्यादा 5जी सब्सक्रिप्शन पार कर लेगा, और देश में 5जी की पहुंच 79 प्रतिशत तक होगी। यह जानकारी कंपनी एरिक्सन की मोबिलिटी रिपोर्ट 2025 में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 के अंत तक भारत में 39.4 करोड़ 5जी सब्सक्रिप्शन दर्ज होने की उम्मीद है, जो देश में कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 32 प्रतिशत होगा। एरिक्सन ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डेटा मार्केट्स में से एक है। भारत में हर सक्रिय स्मार्टफोन पर मोबाइल डेटा उपयोग 36 जीबी प्रति माह है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह 2031 तक बढ़कर 65 जीबी प्रति माह होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि डेटा उपयोग में यह तेज बढ़ोतरी तेजी से 5जी नेटवर्क विस्तार, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के बढ़ते उपयोग और सस्ते 5जी डिवाइस उपलब्ध होने के कारण है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में 5जी सब्सक्रिप्शन 2025 के अंत तक बढ़कर 2.9 अरब तक पहुंच जाएंगे। यह कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का करीब एक-तिहाई होगा। 2031 तक ग्लोबल 5जी सब्सक्रिप्शन बढ़कर 6.4 अरब होने का अनुमान है, जो कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का करीब दो-तिहाई होगा। इनमें से 4.1 अरब (65 प्रतिशत) सब्सक्रिप्शन 5जी स्टैंडअलोन (एसए) होने की उम्मीद है। सिर्फ इस साल ही दुनिया भर के ऑपरेटरों ने 60 करोड़ नए 5जी सब्सक्रिप्शन जोड़े हैं। इसके अलावा 40 करोड़ लोगों को पहली बार 5जी कवरेज भी मिला है। इस साल के अंत तक चीन के बाहर दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी 5जी नेटवर्क की पहुंच में होगी। 2031 तक यह कवरेज बढ़कर 85 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

क्रिप्टो मार्केट में भारी उथल-पुथल, 24 घंटे में 17 लाख करोड़ का निवेश तबाह

नई दिल्ली क्रिप्टो मार्केट में भारी उथल-पुथल है। वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 6फीसदी से ज्यादा टूटकर 3 लाख करोड़ डॉलर के नीचे चल गया है। बिटकॉइन, इथेरियम समेत ज्यादातर प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में तेज गिरावट ने माहौल को और नेगेटिव बना दिया है। कई दिनों से जारी कमजोरी के बीच यह 24 घंटे की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार सुबह 9:30 बजे तक कुल क्रिप्टो मार्केट कैप 3.14 लाख करोड़ डॉलर पर था, जो शुक्रवार सुबह 9:30 बजे 2.95 लाख करोड़ डॉलर तक गिर गया यानी 24 घंटे में 0.19 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 17 लाख करोड़ रुपए का निवेश तबाह हो गया। फियर एंड ग्रीड इंडेक्स भी 11 पर आ गया, जो बताता है कि मार्केट में भारी घबराहट है और निवेशक तेजी से क्रिप्टो बेच रहे हैं। बिटकॉइन पिछले 24 घंटे में 7फीसदी से ज्यादा गिरकर 90,000 डॉलर के स्तर से काफी नीचे आ गया। सुबह 9:30 बजे यह 85,750 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। पिछले एक हफ्ते में ही बिटकॉइन करीब 13फीसदी लुढ़क चुका है। इथेरियम, रिपल, सोलाना और कार्डानो भी 7फीसदी से ज्यादा टूट गए।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र वैश्विक राजनीति, सुरक्षा व आर्थिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनकर उभरा

नई दिल्ली इंडो-पैसिफिक क्षेत्र हाल के वर्षों में वैश्विक राजनीति, सुरक्षा और आर्थिक प्रतिस्पर्धा का सबसे अहम केंद्र बनकर उभरा है। इस पृष्ठभूमि में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग की भारत यात्रा खास मायने रखती है। उन्होंने साफ कहा कि इंडो-पैसिफिक आज अनिश्चितता और उभरती चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में समान सोच वाले देशों के बीच रणनीतिक सहयोग पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। ऑस्ट्रेलिया इस क्षेत्र में भारत को एक भरोसेमंद और प्रमुख साझेदार के रूप में देखता है। दिलचस्प है कि तीन साल पहले 2022 में अमेरिका ने भी इंडो-पैसिफिक के लिए अपनी व्यापक रणनीति जारी की थी, जिसने इस भूभाग की वैश्विक अहमियत को और पुख्ता कर दिया। इंडो-पैसिफिक का दायरा पूर्वी अफ्रीका के तट से लेकर अमेरिकी पश्चिमी किनारों तक और आर्कटिक से अंटार्कटिका तक फैला है। यह सिर्फ समुद्री क्षेत्र नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और आर्थिक संतुलन की धुरी है। दुनिया की करीब 65 फीसदी आबादी और 63 फीसदी वैश्विक जीडीपी इसी क्षेत्र में मौजूद है। चीन, अमेरिका, भारत और जापान जैसी शक्तियों की सक्रियता ने इसे भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मुख्य केंद्र बना दिया है। समुद्री व्यापार मार्ग, ऊर्जा संसाधन, मत्स्य संपदा और रणनीतिक जलडमरूमध्य इस क्षेत्र को आर्थिक और सुरक्षा दोनों दृष्टि से अति संवेदनशील बनाते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 400 , निफ्टी 124 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई सहित अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। आज बाजार के ज्यादातर सूचकांकों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक नीचे आकर 85,231.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक गिरकर 26,068.15 पर बंद हुआ था। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 687.25 अंक नीचे आकर 60,276.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 219.75 अंक फिसलकर 17,847.50 पर था।

आज निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मेटल और निफ्टी एनर्जी के शेयर फिसले जबकि निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी कंजप्शन में ही तेजी रही।

सेंसेक्स के शेयरों में मारुति सुजुकी, एमएंडएम, आईटीसी, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचयूएल, भारती एयरटेल, टीसीएस, टाइटन, पावर ग्रिड और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई,एक्सिस बैंक, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा, एलएंडटी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे।

बाजार में अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने को माना जार हा है। इसके अलावा भारत में पीएमआई डेटा कमजोर रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स टूटकर 85,347.40 अंक पर खुला। सुबह यह 77.03 अंक नीचे आकर 85,555.65 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी 100 से ज्यादा अंक फिसलकर 26,109 पर खुला।

वहीं दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुए। डॉव जोन्स 0.84 फीसदी गिरा, एसएंडपी में 1.56 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा नैस्डैक 2.16 फीसदी गिरा। दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिज़र्व की तरफ से एक और ब्याज दर कटौती की संभावना को लेकर संशय बढ़ने से बाजार टूटा है।

अमेरिकी बाजारों का प्रभाव एशियाई बाजारों पर भी हुआ। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1.16 फीसदी गिरा वहीं हांगकांग का हैंग सेंग 1.82 फीसदी गिरा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.12 फीसदी नीचे आया। जापान का निक्केई भी 1.7 फीसदी गिरा। कोर मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 3.1 फीसदी हो गई।

अमेरिकी बैन के चलते भारत में रूसी तेल का लदान नवंबर में निचले स्तर पर पहुंचा

इंडियन ऑयल और निजी कंपनी रिलायंस बैन को मानने के लिए सहमत

नई दिल्ली

। भारत को दिए जाने वाले रूस के कच्चे तेल का लदान नवंबर में निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे अमेरिकी प्रतिबंध के कारण भारतीय रिफानिंग कंपनियां सतर्कता बरत रही हैं। अमेरिका ने रूस के दो बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुक ऑयल पर बैन लगा दिया है। इन कंपनियों पर अमेरिकी बैन 21 नवंबर से प्रभावी होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर में अब तक भारत के लिए रूसी तेल का लदान पिछले महीने के मुकाबले आधा रह गया है। 20 नवंबर तक भारत भेजे गए तेल की मात्रा 9.82 लाख बैरल प्रति दिन रही, जबकि अक्टूबर में यह आंकड़ा 18.6 लाख बैरल प्रति दिन था।

भारतीय रिफाइनर अमेरिकी ऑफिस ऑफ फॉरेन ऐसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) के प्रतिबंधों के मद्देनजर रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए सतर्क हो गए हैं। केप्लर के प्रमुख अनुसंधान प्रमुख ने कहा कि इस गिरावट की मुख्य वजह भारतीय रिफाइनरों की रूसी आपूर्तिकर्ता रोसनेफ्ट और लुक ऑयल पर लगा अमेरिकी बैन है। हालांकि वॉल्यूम में अभी भी बदलाव हो सकता है क्योंकि रास्ते में मौजूद कुछ जहाज अपने आखिरी गंतव्य को बदल सकते हैं। मगर मौजूदा रुझान बिल्कुल साफ है कि भारत के लिए लदान में नरमी आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल और निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिकी बैन को मानने के लिए सहमत हैं, जबकि एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड ने रूस पर पश्चिमी देशों के बैन के बाद रूस से तेल खरीद को रोक दिया है। भारत को रूसी तेल की आपूर्ति में दोनों प्रतिबंधित रूसी कंपनियों का योगदान 60 से 70 फीसदी है। आरआईएल के पास रोसनेफ्ट से करीब 5 लाख बैरल प्रति दिन कच्चा तेल खरीदने का दीर्घावधि अनुबंध है, जबकि नायरा एनर्जी में 49 फीसदी हिस्सा रूस की सरकारी कंपनी का है।

एप्पल इंडिया ने 2024-25 में 9 अरब डॉलर की घरेलू बिक्री की

दुनिया भर में बने हर पांच में से एक आईफोन भारत में हुआ निर्मित

नई दिल्ली आईफोन बनाने वाली एप्पल इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में 9 अरब डॉलर की घरेलू बिक्री का आंकड़ा छू लिया है। इससे कंपनी राजस्व के लिहाज से देश की शीर्ष 10 विनिर्माण बहुराष्ट्रीय कंपनियों में शामिल हो गई। अमेरिका और भारत में कंपनी ने शेयर बाजार को बताया है कि इसके बावजूद यह ऐपल के वैश्विक राजस्व 416.1 अरब डॉलर में महज 2 फीसदी हिस्सेदारी है। आईफोन के उत्पादन में भारत की भूमिका की अलग कहानी है। वित्त वर्ष 2025 में दुनिया भर में बने हर पांच में से एक आईफोन भारत से गया था और देश ने एप्पल के वैश्विक उत्पादन मूल्य में 12 फीसदी योगदान दिया। एप्पल ने पहली बार भारत में प्रो और प्रो मैक्स जैसे आईफोन के सबसे महंगे मॉडल की असेंबलिंग भी शुरू की। वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका से करीब 178.4 अरब डॉलर की कमाई हुई, जो एप्पल के वैश्विक राजस्व की करीब 43 फीसदी है। इसके अलावा इन आईफोन का बढ़ता हिस्सा भारत से भेजा गया।

मुकेश अंबानी की कंपनी ने रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल किया बंद

▸▸ कंपनी ने यह कदम यूरोपीय संघ द्वारा लगाए प्रतिबंधों के चलते उठाया

नई दिल्ली

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत के बीच मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने अपनी जामनगर स्थित केवल निर्यात वाली रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल बंद कर दिया है। कंपनी ने यह कदम यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों को देखते हुए उठाया।रिलायंस भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार मानी जाती है। जामनगर का विशाल शोधन परिसर दो रिफाइनरियों में बंटा है एक सेज इकाई, जहां से ईयू, अमेरिका और अन्य देशों को ईंधन निर्यात किया जाता है और दूसरी पुरानी इकाई, जो घरेलू बाजार को सप्लाई करती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईयू का बाजार रिलायंस के लिए बेहद अहम है।

चूंकि यूरोपीय संघ ने रूस की ऊर्जा आमदनी घटाने के लिए रूसी कच्चे तेल और उससे बने उत्पादों पर सख्त प्रतिबंध लगाए हैं, इस वजह से कंपनी ने सेज यूनिट में रूसी तेल का इस्तेमाल रोकने का फैसला लिया। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक 20 नवंबर से सेज रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का आयात बंद कर दिया है और 1 दिसंबर से निर्यात होने वाले सभी ईंधन गैर-रूसी तेल से तैयार किए जाएंगे।

यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस की यूक्रेन संबंधी कार्रवाई को लेकर नए प्रतिबंध लगाए थे। इन प्रतिबंधों में रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर रोक शामिल है।

रिलायंस ने पहले रोसनेफ्ट के साथ करीब 5 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदने का दीर्घकालिक समझौता किया था लेकिन अमेरिका द्वारा लगाए नए प्रतिबंधों के बाद अक्टूबर में ही संकेत मिले थे कि आरआईएल इस दीर्घकालिक समझौते के तहत रूस से तेल लेना बंद कर सकती है।

50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के असर का आंकलन करने बीओटी की बैठक 25 को

▸▸ वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार नीति के शीर्ष सलाहकार निकाय व्यापार बोर्ड (बीओटी) की 25 नवंबर को बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सरकार निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के प्रतिकूल असर का आकलन करना चाहती है। व्यापार बोर्ड की बैठक एक साल से ज्यादा के अंतराल पर होगी। बैठक में निर्यात प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों जैसे लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, अनुपालन लागत में कमी, उभरते मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाना, बाजार विविधीकरण और 'निर्यात केंद्र के रूप में जिले को मजबूत' करने और आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने नाम छापने की शर्त पर बताया कि चर्चा में डिजिटल प्रणालियों के जरिए व्यापार सुगमता बढ़ाने, तेज मंजूरी और निर्यात प्रक्रियाओं में ज्यादा पारदर्शिता लाने पर भी चर्चा होगी।

बैठक में मिली जानकारी 2030 तक 2 लाख करोड़ डॉलर के वस्तु और सेवा निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के सरकार के व्यापक लक्ष्य में सहायक होगी।

सेबी ने कंसल्टिंग पेपर पर फीडबैक देने डेडलाइन एक सप्ताह के लिए बढ़ाई

▸▸ म्युचुअल फंड के एक्सपेंस रेश्यो के नियमों में प्रस्तावित सुधारों पर सुझाव दे सकेंगे

नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्युचुअल फंड रेगुलेशन्स 1996 के रिव्यू के लिए जारी कंसल्टिंग पेपर पर फीडबैक देने की डेडलाइन एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी है। अब निवेशक फंड हाउस और अन्य हितधारक 24 नवंबर तक म्युचुअल फंड नियमों में प्रस्तावित सुधारों पर राय दे सकते हैं। पहले यह डेडलाइन 17 नवंबर थी।

बता दें सेबी ने 28 अक्टूबर को इस कंसल्टिंग पेपर को जारी किया था।

इसमें सेबी ने एग्जिट लोड में बदलाव, टोटल एक्सपेंस रेश्यो में सुधार, ब्रोकरेज चार्ज कम करने और निवेशकों के लिए पारदर्शिता बढ़ाने समेत कई अन्य बदलावों का प्रस्ताव रखा।

टोटल एक्सपेंस रेश्यो किसी म्युचुअल फंड स्कीम को चलाने की कुल लागत होती है, जिसमें मैनेजमेंट फीस, ऑपरेशन खर्च और कुछ सरकारी फीस शामिल होती है। यह सीधे निवेशकों के रिटर्न पर असर करती है, जितना ज्यादा टीईआर होगा, फंड के मुनाफे में कटौती भी उतनी ही ज्यादा होगी।

स्वस्तिका इनवेस्टमार्ट की हेड ऑफ वेल्थ ने कहा कि सेबी के कंसल्टेशन पेपर में टोटल एक्सपेंस रेशियो में कटौती का प्रस्ताव मुख्य रूप से म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए पॉजिटिव बदलाव लाएगा, क्योंकि इससे निवेश की लागत कम होगी और फीस स्ट्रक्चर में पारदर्शिता बढ़ेगी। प्रस्तावित नए फ्रेमवर्क के तहत, सेबी उन अतिरिक्त पांच बेसिस प्वाइंट फीस को खत्म करने की योजना बना रहा है, जिसे अब तक एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को सभी म्युचुअल फंड स्कीम्स पर लगाने की अनुमति थी। यह अतिरिक्त खर्च 2012 में इसलिए जोड़ा गया था ताकि एग्जिट लोड को वापस स्कीम्स में क्रेडिट करने के असर की भरपाई की जा सके। 2018 में इसे 20 बीपीएस से घटाकर 5 बीपीएस कर दिया था। अब सेबी इसे पूरी तरह हटाना चाहता है ताकि निवेशकों की लागत कम हो सके।

हुंडई ने प्रीमियम एसयूपी टक्सन का भारत में प्रोडक्शन किया बंद

▸▸ सीमित ग्राहक और ऊंची कीमत से इसकी बिक्री नहीं बढ़ी

नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी प्रीमियम एसयूपी टक्सन का भारत में प्रोडक्शन बंद कर दिया है। लंबे समय से कंपनी की फ्लैगशिप आईसीई लाइनअप का हिस्सा रही यह 5-सीटर एसयूवी तकनीक, सुरक्षा और डिजाइन के मामले में बेहद उन्नत मानी जाती थी। 27.32 लाख से 33.64 लाख रुपए की एक्स-शोरूम कीमत के बावजूद यह अपने सेगमेंट में मजबूत पहचान बना चुकी थी, लेकिन सीमित ग्राहक वर्ग और ऊंची कीमत के चलते इसकी बिक्री नहीं बढ़ सकी। कंपनी ने पुष्टि की कि टक्सन अब भारतीय बाजार में उपलब्ध नहीं होगी, हालांकि मौजूदा ग्राहकों को सर्विस और आफ्टर-सेल्स सपोर्ट मिलता रहेगा। बता दें अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच सिर्फ 450 यूनिट्स की बिक्री ने यह साफ कर दिया कि 25 लाख रुपए से ऊपर की 5-सीटर एसयूवी की मांग बेहद कम है, जबकि इसी रेंज में 7-सीटर गाड़ियों की लोकप्रियता ज्यादा है।

पूरी तरह आयात होकर चेन्नई प्लांट में असेंबल किए जाने के कारण भी टक्सन की कीमत प्रतिस्पर्धियों की तुलना में ज्यादा रही। जीएसटी दरों में कटौती के बाद एसयूवी करीब 2.40 लाख रुपए तक सस्ती जरूर हुई, लेकिन इसका बिक्री पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा। कंपनी की वर्तमान एसयूवी लाइनअप में एक्सटर, वेन्यू, क्रेटा और अल्कजार शामिल हैं, जिनमें वेन्यू और क्रेटा लगातार टॉप-सेलिंग मॉडल बने हुए हैं। टक्सन भारत एनसीएपी में 5-स्टार रेटिंग पाने वाली हुंडई की अकेली एसयूवी कार थी, फिर भी बाजार की मांग इसके पक्ष में नहीं रही। हुंडई ने कहा कि भारत उसके लिए बेहद अहम बाजार है और आने वाले सालों में वह 45,000 करोड़ रुपस निवेश कर 26 नए मॉडल लॉन्च करेगी, जिनमें पेट्रोल, डीजल, हाइब्रिड, इलेक्ट्रिक और सीएनजी विकल्प शामिल होंगे।

एशेज में पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा, कुल 19 विकेट गिरे

–इंग्लैंड पहली पारी 172, ऑस्ट्रेलिया 123/9

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज क्रिकेट सीरीज के का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा और एक ही दिन में कुल 19 विकेट गिरे। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाज से ऑस्ट्रेलिया ने यहां शुक्रवार से शुरु हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के पहले टेस्ट मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड को पहली पारी में 172 रनों पर ही आउट कर दिया। स्टार्क ने 7 विकेट लेकर इंग्लैंड टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 123 रन बनाए हैं। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समया नाथन लियोन 3 और ब्रैंडन डॉगेट 0 पर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी खराब रही। ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड के साथ ओपनिंग के लिए उस्मान ख्वाजा की जगह मार्नस लाबुशेन को भेजा था। डेब्यू कर रहे वेदराल्ड खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया।

दूसरा विकेट मार्नस लाबुशेन (9) का गिरा। आर्चर ने उन्हें बोल्ड किया। कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ भी 17 रन बनाकर आउट हो गये। ब्रायडन कार्स ने उन्हें हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाया। अनुभवी उस्मान ख्वाजा 2 रन पर पेवेलियन लौटे।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। इंग्लैंड की टीम ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली का विकेट खो दिया। उस समय तक इंग्लैंड का एक भी रन नहीं था। इसके बाद ओली पोप ने बेन डकेट के साथ मिलकर 34 गेंदों में 33 रन बनाये पर डकेट 20 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद स्टार बल्लेबाज जो रूट भी खाता खोले बिना ही स्टार्क का शिकार बने।

टीम ने 39 रनों पर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे ये सभी विकेट स्टार्क ने अपने नाम किए थे। इसके बाद ओली पोप ने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 55 रन की साझेदारी की। ओली पोप 58 गेंदों में 4 चौकों के साथ 46 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड की टीम ने लंच तक 105 रनों पर ही चार विकेट खो दिये।

इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने हैरी ब्रूक के साथ पांचवें विकेट के लिए 21 रन बनाये, वहीं स्टोक्स के आउट होने के बाद जैमी स्मिथ ने ब्रूक के साथ मिलकर 30 गेंदों में 45 रन बनाये। ब्रूक ने 61 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 52 रन बनाए, जबकि जेमी स्मिथ ने 33 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट लिए। स्टार्क की गेंदबाजी के साथ अंग्रेज बल्लेबाज बेबस दिखे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि स्टार्क के चार ओवरों में एक भी रन नहीं बना। जबकि अपना पहला ही मैच खेल रहे ब्रेंडन डोगेट ने दो विकेट लिए। वहीं एक विकेट इस मैच से वापसी कर रहे कैमरून ग्रीन को मिला।

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंचे, हमवतन आयुष शेट्टी को हराया

सिडनी (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को यहां हमवतन भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने 53 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 21-11 से जीत हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा, जो इस प्रतियोगिता में दूसरी वरीयता प्राप्त हैं। विश्व में नौवें स्थान पर काबिज और 2018 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता चोउ ने एक घंटे 23 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया। अल्वी ने पिछले दौर में भारत के एचएस प्रणय को हराया था।

सेन ने इस वर्ष के शुरू में हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी 20 वर्षीय शेट्टी को हराया था। अल्मोड़ा का रहने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इस साल अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाया है। सेन को शुरुआती गेम में शेट्टी को हराने में कठिनाई हुई। वह एक समय 6-9 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने 9-10 से पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीते और 13-10 से बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन शेट्टी ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में कई बार बढ़त हासिल की, लेकिन आखिर में सेन ने 21-21 से बराबरी कर ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरा गेम एकतरफा रहा, जिसमें सेन ने शुरुआत में 6-1 की बढ़त बना ली, जो कुछ ही देर में 15-7 हो गई और शेट्टी की चुनौती कमजोर पड़ गई। प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत के गुरुवार को बाहर हो जाने के बाद सेन पुरुष एकल में अब एकमात्र भारतीय बचे हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी।

स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बांए हाथ के पहले गेंदबाज बने

–रुट को आउट करने के साथ ही हासिल की अहम उपलब्धि

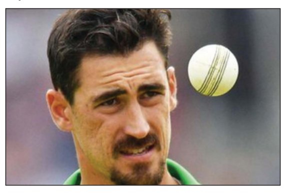

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हुई एशेज टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में सात विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के पहले गेंदबाज बन गये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती स्पेल में ही स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए ज़ैक क्रॉली, बेन डकेट और जो रूट को पेवेलियन भेज दिया। स्टाक ने क्रॉली को शून्य पर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डकेट का भी विकेट लिया। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज रूट भी उनसे बच नहीं पाये और अपना खाता भी नहीं खोल सके। रुट स्टार्क की गेंद पर मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच हुए। इसी के साथ ही स्टार्क ने एशेज में अपना 100वां विकेट लिया। वह ऐसा करने वाले 21वें गेंदबाज रहे हैं।

पहले सत्र में ही स्टार्क ने 8 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट ले लिए। उनका 45.03 का स्ट्राइक रेट उन्हें सबसे बेहतर गेंदबाज़ बनाता है। साल 2013 में एशेज में डेब्यू के बाद से ही स्टार्क ने 23 टेस्ट में 26.77 के औसत से विकेट लिए हैं। एशेज में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दिग्गज स्पिनर शेन वार्न पहले नंबर पर हैं। वॉर्न के नाम 195 विकेट हैं। वहीं ग्लेन मैक्ग्रा के 157 वह स्टुअर्ट ब्रॉड के 153 विकेट हैं। एशेज में 100 विकेट लेने वाले वह ऑस्ट्रेलिया के 13वें गेंदबाज बने हैं। .

पैट कमिंस और चोटिल जोश हेजलवुड के बाहर होने से गेंदबाजी की कमान संभाल रहे स्टार्क ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। स्टार्क के पास इस मैच में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। अकरम ने, अब तक सबसे ज्यादा 414 टेस्ट विकेट लिए हैं।

ऋषभ की कप्तानी में दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय टीम शनिवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इसमें 0-1 से पीछे है। भारतीय टीम अगर ये मैच भी हारती है तो दो मैचों की ये सीरीज उसके हाथों से निकल जाएगी। नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न होने से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में टीम की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। ऋषभ के कप्तानी कौशल की इस मैच में परीक्षा होगी। शुभमन के बार होने से इस मैच में उनकी जगह साई सुदर्शन को शामिल किया जा सकता है। वहीं अक्षर पटेल की जगह पर नीतिश रेड्डी को अवसर मिल सकता है। पहले मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये थे। ऐसे में इस मैच में बल्लेबाजों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी ये मैच अहम होगा क्योंकि उनके कोच बनने के बाद से ही भारतीय टीम अपनी धरती पर अधिकतर टेस्ट हारी है। इससे पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अपराजेय रहने की छवि को धक्का लगा है। पिछले साल भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी तीन टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं इस बार दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर उसके लिए पहेली बने हुए हैं। भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों से निपटने की तकनीक कमजोर नजर आ रही है। इससे भी बल्लेबाजों का मनोबल गिरा है और वे बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं।

इन कठिन हालातों में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने जा रहे ऋषभ की राह आसान नहीं है। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी और टीम की बल्लेबाजी ही इसको परिणाम तय करेगी।

शुभमन की जगह के लिए सुदर्शन सबसे प्रबल दावेदार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है। लाल गेंद की क्रिकेट में कप्तानी में अनुभव की बात करें तो ऋषभ ने साल 2017 में दिल्ली की टीम को रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था पर कोलकाता में शुभमन के मैदान के बाहर जाने के बाद जिस प्रकार से उन्होंने फैसले लिए थे। उनको लेकर कई सवाल भी उठे हैं।

कोलकाता में तीसरे दिन सुबह मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह को उन्होंने गेंदबाजी नहीं दी थी जिससे भी भारत को नुकसान हुआ था। भारतीय टीम में बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं और ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर उन्हें शिकार बना सकते हैं। ये तभी हो सकता है जब बीसीसीआई के क्यूरेटर तापोश चटर्जी और आशीष भौमिक गुरुवार को ट्रैक पर नजर आ रही घास को हटा दें। वहीं भारतीय टीम प्रबंधन पिच को लेकर पहले टेस्ट वाली गलती नहीं दोहराना चाहेगा।

अक्षर या कुलदीप यादव की जगह पर इस मैच में नीतिश रेड्डी को जगह मिल सकती है। ऐसे में तीसरा तेज गेंदबाज होने से भारतीय टीम को नमी का लाभ उठाने में मदद मिल सकती है। अगर उनकी गेंदबाजी की जरूरत न हो तब भी दाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण वह विकेट पर उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम इस मैच में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाना चाहेगी। बावुमा अच्छे फार्म में हैं। इसके अलावा टीम के पास एडेन मार्करम, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर,मार्को जानसन और केशव महाराज जैसे खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाज कासिगो रबाडा के फिट नहीं होने के कारण तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को इस मैच में शामिल किया जा सकता है।

टी20 ट्राई सीरीज : जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 67 रनों से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

लाहौर ।पाकिस्तान में जारी टी20 ट्राई सीरीज में जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 67 रन से हरा दिया ।इसे मैच में जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाइ टीम टिक नहीं पायी और 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 95 रनों पर ही आउट हो गयी ।इस बड़ी जीत से जिम्बाब्वे का नेट रनरेट अब मेजबान पाकिस्तान टीम से भी अधिक हो गया है ।इस जीत से जिम्बाब्वे तीन टीमों की ट्राई सीरीज की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है । जिम्बाब्वे और पाकिस्तान दोनो के ही दो–दो अंक हैं पर नेट रनरेट अधिक होने के कारण जिम्बाब्वे पहले नंबर पर है । इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय समय तक 20 ओवर में 8 विकेट पर 162 रन बनाए ।सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाये ।वहीं कप्तान सिकंदर रजा 47 रन बनाकर आउट हुए ।दूसरी ओर श्रीलंका की ओर से स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि एहसान मलिंगा को दो विकेट मिले ।जिम्बाब्वे ने इस प्रकार श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया। श्रीलंका के केवल दो बल्लेबाज ही इस मैच में दो अंकों तक पहुंच पाये ।कप्तान दासुन शनाका ने 34 जबकि भानुका राजपक्ष ने 11 रन बनाये ।जिम्बाब्वे की ओर से ब्रेड इवांस ने 4 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि रिचर्ड नागरवा ने 2 विकेट लिए ।

शुभमन अचानक ही मुम्बई पहुंचे, विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे

गुवाहटी ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से ठीक पहले अचानक ही मुम्बई पहुंच गये। यहां वह प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे। पारदीवाला खेल के दौरान लगी चोटों की सर्जरी में विशेषज्ञ हैं। शुभमन मुम्बई रवाना होने के साथ ही दूसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं।शुभमन को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में जकड़न आ गयी थी।इसी कारण उन्हें अस्पताल में भी भर्ती किया गया था। माना जा रहा है कि वह भी इस चोट से नहीं उबरे हैं।इसी कारण वह कोलकाता में दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। बीसीसीआई ने कहा था कि शुभमन टीम के साथ गुवाहटी जाएंगे पर उनके खेलने पर फैसला उनकी चोट को देखते हुए ही होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को गुवाहाटी टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है और वह इसी के बाद ही मुंबई के लिए रवाना हो गये। इस कारण वह गुरुवार को अभ्यास के लिए भी नहीं पहुंचे थे।ये भी कहा गया है कि वह अगले दो–तीन दिन मुंबई में आराम करेंगे और फिर विशेषज्ञ डॉ.दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे।अभी तक, उन्हें बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजे जाने की कोई योजना नहीं है।शुभमन के बाहर होने से ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी संभालेंगे।पहले टेस्ट मैच में भी शुभमन के चोटिल होने के बाद उन्होंने कप्तानी की थी पर वह टीम को हार से नहीं बचा पाये थे।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप: खिताब का सपना टूटा, रोमांचक सेमीफाइनल में बांग्लादेश से हारा भारत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ए का राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में खिताब का सपना उस समय टूट गया जब टीम बांग्लादेश ए के खिलाफ रोमांचक सेमीफाइनल में सुपर ओवर में हार के बाद बाहर हो गई। भारत ए ने बांग्लादेश ए से मिले 194 रन के जवाब में इतने ही रन बनाए और मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में दो विकेट गंवाते हुए एक भी रन नहीं बना पाया। बांग्लादेश को सुपर ओवर में जीत के लिए मात्र एक रन की जरूरत थी और स्पिनर सुयश शर्मा ने पहली गेंद पर विकेट झटकने के बाद दूसरी गेंद वाइड फेंक दी।

इससे पहले पहले बैटिंग करते हुए हबीबुर रहमान सोहन 46 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। जीशान आलम ने 14 गेंदों पर तेजी से 26 रन बनाए, जबकि एसएम मेहरब ने 18 गेंदों पर छह छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 48 रन बनाकर बांग्लादेश ए को 190 के पार पहुंचाया। यासिर अली ने 9 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाए। इनिंग में आखिरी समय में धमाकेदार बल्लेबाजी देखने को मिली, जिसमें मेहरब और यासिर अली ने आखिरी दो ओवरों में 50 रन बनाए।

मेहरब की पावर-हिटिंग में नमन धीर और विजयकुमार व्यशाक पर कई छक्के शामिल थे, जिसमें एक शानदार रिवर्स-स्वीप और लॉन्ग-ऑन पर फ्लैट पुल शामिल थे, जबकि यासिर अली ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाकर मोमेंटम बनाए रखा। बांग्लादेश ए ने बीच के ओवरों में रेगुलर विकेट गंवाए। गुरजपनीत सिंह ने जिशान और सोहन को आउट किया, जबकि नमन धीर ने महिदुल इस्लाम अंकोन (1) को आउट किया।

अन्य विकेटों में अकबर अली को हर्ष दुबे ने कैच एंड बोल्ड किया, और अबू हैदर को सुयश शर्मा ने आउट किया। इंडिया ए के गुरजपनीत सिंह ने 4 ओवर में 39 रन देकर 2 विकेट लिए। हर्ष दुबे, सुयश शर्मा, रमनदीप सिंह और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया। विजयकुमार व्यशाक ने अपने 4 ओवर में 51 रन दिए, जो डेथ ओवरों में महंगे साबित हुए।

बिग बैश लीग में ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हुई दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेटर

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग खेल रही दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर लिजेल ली ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हुई हैं । .विकेटकीपिंग में हुई गलती के बाद लिजेल ली पर कई आपत्तिजनका टिप्पणियां की गयीं ।होबार्ट हरिकेंस और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच होबार्ट के बेलेरिव ओवल में मुकाबले के दौरान उनपर मोटापे के लिए तंज कसे गये और उनका मजाक उड़ाया गया ।यह विवाद हरिकेंस की पारी के 8.3वें ओवर में एक रन–आउट से बढ़ा ।स्ट्राइकर्स की बल्लेबाज ब्रिजेट पैटरसन ने लॉरेन स्मिथ की एक गेंद को कवर की ओर खेला और एक रन लेने दौड़ गयीं ।वहीं स्टंप के पीछे तैनात लिजेल ली लड़खड़ा गईं और रन आउट नहीं कर पायीं ।विकेटकीपिंग में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लिजेल ली बल्ले से भी विफल रहीं ।हालाकि उनकी टीम हरिकेंस 135 रन का लक्ष्य हासिल करने में सफल रहीं ।ली ने 2013 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के लिए पदार्पण किया और 100 एकदिवीसयस, 82 टी–20 और दो टेस्ट मैच खेले, उन्होंने 36.42 की औसत से 3,315 वनडे रन और टी–20 में 1,896 रन बनाए. ली ने 8 जुलाई 2022 को सभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

स्मृति मंधाना को सिंगर पलाश ने किया प्रपोज , 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी

नवी मुम्बई ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना इसी माह 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी।इससे पहले मंधाना को उनके मंगेतर व सिंगर पलाश मुच्छल ने डी वाय पाटिल स्टेडियम में प्रपोज़ किया।यह वही स्टेडियम है जिसमें भारतीय महिला टीम ने विश्वकप खिताब जीता था।पलाश द्वारा साझा किये वीडियो में वह स्मृति को पिच के बीच में ले जाते हुए और उन्हें अंगूठी पहनाते दिख रहे हैं।पलाश ने ये वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'उसने हां कह दिया।' इस वीडियो की शुरुआत में पलाश, स्मृति को स्टेडियम के बीच में ले जाते हैं।इस दौरान स्मृति की आंखों में पट्टी बंधी थी।वहीं जब वह आखिरकार आंखों से पट्टी हटाती है तो वह देखती है कि पलाश घुटनों पर बैठकर उसे प्रपोज़ कर रहा है।खुश और भावुक होकर स्मृति इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है।इसके कुछ ही देर बाद स्मृति और पलाश दोनों के दोस्त इस खास अवसर पर जश्न मनाने के लिए पिच के बीच में दौड़ते हैं।इस दौरान पलाश की बहन और सिंगर पलक मुच्छल भी उपस्थित थी।स्मृति और पलाश रविवार, 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।इस जोड़े को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक बधाई पत्र भेजकर शुभकामनाएं दीं हैं।वहीं स्मृति ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को एक मज़ेदार रील के ज़रिए यह खबर दी, जिसमें उनकी विश्व कप जीतने वाली टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव सहित कई अन्य लोग भी थे। स्मृति साझा किए गए वीडियो में अपनी सगाई की अंगूठी दिखाती दिखीं।गौरतलब है कि स्मृति और पलाश का रिश्ता काफी लंबा और मज़बूत रहा है, उन्होंने अपने रिश्ते को ज़्यादातर निजी रखा है और अपने–अपने करियर में एक–दूसरे का समर्थन किया है। पलाश को इस महीने की शुरुआत में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप फाइनल के दौरान स्मृति और भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया था। स्मृति ने भारतीय टीम की जीत में महत्वूर्ण भूमिका निभाई थी।

दूसरे टेस्ट से पहले ऋषभ पंत का बड़ा बयान, एक मैच की कप्तानी आदर्श नहीं

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में शनिवार से शुरू होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण बाहर हो गए, और उनकी जगह टीम की कमान ऋषभ पंत को सौंपी गई है। शानदार फॉर्म में चल रहे पंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में माना कि 'एक मैच की कप्तानी आदर्श स्थिति नहीं है', लेकिन उन्होंने इसे सम्मान बताया और कहा कि वह दबाव में आए बिना टीम को जीत दिलाने पर फोकस करेंगे। पहला टेस्ट हार चुकी भारतीय टीम इस मुकाबले में सीरीज़ बराबर करने के इरादे से उतरेगी।

कप्तानी को लेकर पंत का साफ बयान: 'ज्यादा नहीं सोचना चाहता'

दूसरे टेस्ट से पहले मीडिया से बात करते हुए ऋषभ पंत ने कहा कि वह इस मौके को बेहद खास मानते हैं, लेकिन कप्तान के रूप में अधिक सोचना टीम के लिए सही नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'एक मैच की कप्तानी सबसे आदर्श नहीं होती, लेकिन मैं बीसीसीआई का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी दी। कई बार बड़े मौकों के बारे में ज्यादा सोचने से फायदा नहीं होता, इसलिए मैं चीजों को सिंपल ही रखना चाहता हूं।' पंत ने स्वीकार किया कि पहला टेस्ट बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब उनका पूरा ध्यान सीरीज़ को बचाने के लिए टीम की वापसी पर है।

भारत 1-0 से पीछे, गिल की अनुपस्थिति बढ़ी चुनौती

कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन के कारण शुभमन गिल मैदान से बाहर हो गए थे और बाद में वे अस्पताल में भर्ती भी हुए। इस वजह से न केवल भारत को टॉप-ऑर्डर में झटका लगा, बल्कि कप्तानी भी अचानक बदलनी पड़ी। दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट जीतकर दो मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली है। पंत ने गिल के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, 'शुभमन मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित था। उसने चोट के बावजूद हिम्मत दिखाई, और टीम यही एटीट्यूड देखना चाहती है।'

गिल के रिप्लेसमेंट पर फैसला हो चुका: पंत ने दिए संकेत

टीम इंडिया गिल के विकल्प को लेकर सोच-विचार में थी, क्योंकि बाएं हाथ के बल्लेबाज पहले से ही लाइनअप में अधिक हैं। हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंत ने साफ कहा कि रिप्लेसमेंट तय हो चुका है। उन्होंने कहा, 'हमने यह फैसला कर लिया है कि शुभमन की जगह कौन खेलेगा। संबंधित खिलाड़ी को बता दिया गया है। अब टीम उसी के अनुसार तैयारी कर रही है।' हालांकि उन्होंने नाम उजागर नहीं किया, लेकिन संकेत साफ था कि चयन टीम के संतुलन को ध्यान में रखकर किया गया है।

रणनीति: पंत चाहते हैं 'कन्वेंशनल + आउट-ऑफ-बॉक्स' का परफेक्ट मिश्रण

पंत ने बताया कि उनकी कप्तानी शैली में दोनों तरह की सोच शामिल होगी—परंपरागत रणनीति और आधुनिक, आक्रामक सोच। उन्होंने कहा, 'मैं कन्वेंशनल रहूंगा, लेकिन साथ ही आउट-ऑफ-बॉक्स सोच को भी अपनाना चाहता हूं। बैलेंस जरूरी है। हमें चीजों को जटिल नहीं बनाना, जो टीम बेहतर क्रिकेट खेलेगी वही जीतेगी।' उनका यह बयान साफ दर्शाता है कि टीम इंडिया की योजना जोखिम लेने से पीछे नहीं हटने वाली।

गुवाहाटी टेस्ट : पंत का नेतृत्व और भारत की जीत की उम्मीदें

पंत ने कहा कि उन्हें गुरुवार शाम को कप्तानी की जानकारी दी गई, और तब से वह पूरी तरह इसी चुनौती पर केंद्रित हैं। भारतीय टीम अब सीरीज़ में पीछे होने की स्थिति से उबरने के लिए नए कप्तान की रणनीति और ऊर्जा पर निर्भर होगी। भारत की नजर अब गुवाहाटी में मजबूत वापसी और सीरीज़ बराबर करने पर है जहां पंत का नेतृत्व निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

नकवी की आलोचान से कानूनी शिकंजे में फंसे राशिद लतीफ

लाहौर ।पाकिस्तान क्रिकेट में हमेशा विवाद छाये रहते हैं।इसी कड़ी में अब ~ पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ को पाक बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की नाराजगी भरी पड़ती जा रही है।लतीफ ने बार–बार टीमों के कप्तान बदले जाने पर नकवी की आलोचना की थी।जिसके बाद से ही वह कानूनी शिकंजे में फंसते जा रहे हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) ने भी मामला दर्ज किया है।लतीफ से इस्लामाबाद और लाहौर में दो मामलों को लेकर पूछताछ भी हुई है।पीसीबी के वरिष्ठ कानूनी प्रबंधक सैयद अली नकवी की शिकायत पर लतीफ के खिलाफ ये जांच शुरू की गई है।लतीफ ने सोशल मीडिय में लिखा था, 'शाहीन शाह अफरीदी को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है।फूट डालो और राज करो की नीति, धार्मिक, जातीय, क्रिकेट टीमों या वर्ग भेद जैसे भेदभाव पैदा करके और उनका फायदा उठाकर सत्ता हासिल करने और बनाए रखने की एक राजनीतिक रणनीति है। लतीफ ने यह भी कहा था कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जो एक अच्छा कप्तान भी नहीं बना सकता।लतीफ ने पाक की ओर से 37 टेस्ट और 166 एकदिवसीय में क्रमश~ 1381 और 1709 रन बनाए हैं।वहीं पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम पर एक सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में एनसीसीआईए ने मामला दर्ज किया है।

क्रांति समय

शनिवार 22 नवम्बर 2025

विदेश 5

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूएचओ में होगी 2 हजार कर्मियों की छंटनी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पुष्टि की है कि उसके वैश्विक कार्यबल में अगले साल मध्य तक करीब 22 प्रतिशत की कमी आ जाएगी। यह कटौती 2,371 पदों की होगी, जिससे 2025 की शुरुआत में मौजूद 9,401 पदों की संख्या घटकर करीब 7,000 रह जाएगी। यह कदम उस समय उठाया जा रहा है, जब उसके सबसे बड़े दाता अमेरिका ने संगठन से बाहर होने का निर्णय लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने जनवरी 2025 में पद संभालते ही डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने की घोषणा कर दी थी।

पड़ोसी सूडान में ड्रोन हमले के बाद दक्षिण सूडान ने तेल निर्यात फिर से शुरू किया

खार्तूम, एजेंसी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पड़ोसी सूडान में दो प्रमुख तेल प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमलों के बाद सीमा पार परिवहन को आपातकालीन रूप से बंद करने के बाद दक्षिण सूडान ने कच्चे तेल का परिवहन और निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अवर सचिव देंग लुआल वोल ने जुबा में संवाददाताओं को बताया कि 'दक्षिण सूडान के सभी तेल क्षेत्रों में परिचालन सामान्य हो गया है' और कच्चा तेल फिर से पाइपलाइनों के माध्यम से लाल सागर स्थित पोर्ट सूडान के निर्यात टर्मिनलों तक पहुंच रहा है।

कोसोवो में सांसदों द्वारा सरकार चुनने में नाकामी के बाद जल्द चुनाव

प्रिस्टीना, एजेंसी। कोसोवो के सांसद बुधवार को नई सरकार चुनने में नाकाम रहे, जिससे इस छोटे से बाल्कन राष्ट्र में महीनों से चल रहे राजनीतिक संकट के बाद जल्द चुनाव का रास्ता साफ हो गया। प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत ग्लौक कोनजुफ्का, सत्तारूढ़ सेल्फ-डिटरमिनेशन मूवमेंट पार्टी के, 120 सदस्यीय विधानसभा में 56 वोट हासिल कर पाए, जो चुनाव के लिए आवश्यक बहुमत से बस थोड़ा कम है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती की सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह मतदान एक बड़ा झटका है। पार्टी ने फरवरी में हुए चुनाव में सबसे अधिक वोट हासिल किए थे, लेकिन अकेले शासन करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। तब से यह संसदीय बहुमत हासिल करने वाला कोई राजनीतिक गठबंधन बनाने में विफल रही है। राष्ट्रपति व्लोसा ओस्मानी को अब संसद भंग करनी होगी और 10 दिनों के भीतर जल्द चुनाव कराना होगा।

ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को सीएफपीबी का नेतृत्व करने के लिए नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो (सीएफपीबी) के अगले निदेशक के रूप में नामित किया है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना है, जिनके पास बैंकिंग या वित्तीय सेवाओं का कोई अनुभव नहीं है। यह ब्यूरो ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही निष्क्रिय पड़ा है। लेवेनबैक वर्तमान में प्रबंधन एवं बजट कार्यालय में एक सहयोगी निदेशक हैं और प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विज्ञान और जल संबंधी मुद्दों को संभालते हैं। लेवेनबैक के बायोडाटा में विज्ञान और प्राकृतिक संसाधन संबंधी मुद्दों से निपटने का अच्छा अनुभव दिखाई देता है, जहां उन्होंने ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया था।

इंडोनेशिया में फिर फट उठा ज्वालामुखी, 13 किलोमीटर तक उड़ी राख

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में माउंट सेमेरु ज्वालामुखी में सिलसिलेवार और खौफनाक विस्फोटों के बाद बड़े स्तर पर अलर्ट जारी कर दिया है। हालात यह हैं कि कई गांवों को खाली कराया गया है और लोगों से एहतियातन ज्वालामुखी से कई किमी के दायरे से दूर रहने की सख्त चेतावनी दे दी गई है। इंडोनेशिया की भूविज्ञान एजेंसी ने एक बयान में बताया कि पर्यटन स्थल बाली से लगभग 310 किलोमीटर पश्चिम में पूर्वी जावा स्थित माउंट सेमेरु स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2 बजे फट गया। इंडोनेशिया का यह ज्वालामुखी सबसे घनी आबादी वाले द्वीप पर स्थित है। माउंट सेमेरु से गर्म राख और चट्टान, लावा और गैस के मिश्रण निकल रहे हैं जो बुधवार दोपहर से शाम तक कई बार ढलानों से सात किलोमीटर तक नीचे तक आ गए। वहीं गर्म बादल सतह से करीब दो किलोमीटर तक उठ गए हैं। एजेंसी ने बताया कि विस्फोटों के कारण कई गांव राख से ढक गए और अधिकारियों ने ज्वालामुखी को लेकर सतर्कता स्तर को उच्चतम कर दिया।

बॉर्डर के करीब आया रूस का जासूसी जहाज, ब्रिटेन की पुतिन को चेतावनी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने रूस को एक जासूसी जहाज को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की। ब्रिटेन ने कहा कि वह अपनी सीमाओं में किसी भी संभावित घुसपैठ से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान तब आया जब रूसी जासूसी जहाज यंतर स्कॉटलैंड के उत्तर में ब्रिटेन के जलक्षेत्र की सीमा के पास देखा गया। ब्रिटेन ने कहा कि जहाज को स्कॉटलैंड के उत्तर में उसके जलक्षेत्र के किनारे संचालित किया जा रहा है और इसने 'रॉयल एयर फोर्स' (आरएएफ) के पायलट पर लेजर भी दागे हैं।

रक्षा मंत्री जॉन हीली ने लंदन में अपने भाषण के दौरान कहा कि मेरा संदेश रूस और पुतिन के लिए यह हैः हम आपको देख रहे हैं। हम जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं। और यदि यंतर इस सप्ताह दक्षिण की ओर बढ़ता है, तो हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आरएएफ के पायलट पिछले कुछ सप्ताहों से यांतर नामक रूसी पोत पर नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह पोत ब्रिटेन के जलक्षेत्र में प्रवेश कर चुका है और यह देश के समुद्री बुनियादी ढांचे के लिए खतरा है।

रॉयल नेवी का एक फ्रिगेट और आरएएफ के पी-8 विमान तैनात : मंत्री ने कहा- हमने इस जहाज की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए रॉयल नेवी का एक फ्रिगेट और आरएएफ के पी-8 विमान तैनात किए। इस दौरान यांतर ने हमारे पायलट पर लेजर दागे। रूस की यह कार्रवाई बेहद खतरनाक है और इस साल यह दूसरी बार है जब यह जहाज, यांतर, ब्रिटेन के जलक्षेत्र में तैनात किया गया है। उन्होंने कहा- हमारी दुनिया बदल रही है। यह कम पूर्वानुमानित और अधिक खतरनाक हो गई है। पिछले साल ही हमने देखा है कि इजराइल-ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है, भारत और पाकिस्तान के बीच सशस्त्र टकराव की खबरें आई, हमारे देश में चीनी जासूसों द्वारा लोकतंत्र को निशाना बनाए जाने की घटनाएं सामने आई, और पुतिन ने यूक्रेन में अपने युद्ध को और तेज कर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष ही हमने यूरोप के आसमान में ड्रोन हमलों को देखा है, नाटो हवाई क्षेत्र में रूसी घुसपैठ के मामले दोगुने हो गये है, तथा अकेले ब्रिटेन की रक्षा प्रणाली पर 90,000 साइबर हमले हुए हैं। हेली ने कहा कि यह खतरे का एक नया दौर है। इसके लिए रक्षा के एक नए युग, मजबूत सहयोगियों और सुदृढ़ कूटनीति के युग की जरूरत है। और जैसे-जैसे खतरा बढ़ता है, ब्रिटेन को आगे आना होगा और हम आगे आ रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि ब्रिटेन में कम से कम 13 स्थानों की पहचान की गई है, जहां भविष्य के कारखाने बनाकर ब्रिटेन की युद्ध तैयारियों को बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह दो नये ड्रोन कारखाने खुलेंगे, जो इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन रक्षा क्षेत्र में नवाचार के मामले में अग्रणी है। रूसी दूतावास की सख्त प्रतिक्रिया ब्रिटेन की चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए लंदन स्थित रूसी दूतावास ने आरोप लगाया कि ब्रिटिश सरकार रूस-विरोधी प्रचार चला रही है और सैनिक उन्माद भड़का रही है। दूतावास ने बयान जारी करते हुए कहा कि मॉस्को की ब्रिटेन की सुरक्षा को कमजोर करने में कोई रुचि नहीं है।

यंतर क्यों है चिंता का कारण? ब्रिटिश अधिकारियों का कहना है कि यंतर रूसी नौसेना का हिस्सा है और इसे शांति काल में जासूसी तथा युद्धकाल में तोड़फोड़ के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी गतिविधियों का ब्रिटेन और उसके सहयोगी देश लगातार ट्रैक करते हैं। हीली ने कहा कि यह जहाज और इससे जुड़े अन्य रूसी पोत ब्रिटेन और उसके सहयोगियों के समुद्र के नीचे बिछे इंफ्रास्ट्रक्चर- जैसे पाइपलाइन और संचार केबल को जोखिम में डालने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने इस साल बाल्टिक सागर में पाइपलाइन और केबलों पर हुए हमलों का भी उल्लेख किया। यह पहली बार नहीं है जब यंतर ने ब्रिटेन की चौकसी को परखा हो। पिछले वर्ष चेतावनी मिलने के बाद यंतर वहां से भूमध्य सागर की ओर चला गया था। इस साल जनवरी में जब यह जहाज़ इंग्लिश चैनल से गुज़रा, तो ब्रिटेन के फ्रिगेट एचएमएस समरसेट ने उसका पीछा किया था।

डोनाल्ड ट्रंप की 28 साल की अधिकारी ने 60 के शख्स से की शादी

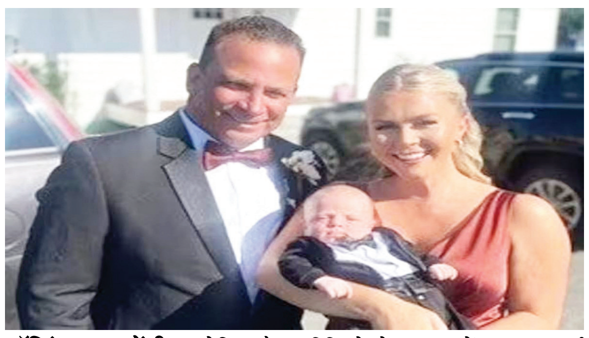

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन यानी वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की उम्र महज 28 साल ही है, लेकिन उनकी शादी 60 वर्ष के निकोलस रिकियो से हुई है। इस शादी को लेकर अकसर चर्चाएं रही हैं क्योंकि दोनों के बीच उम्र का फासला काफी अधिक है। अब इसे लेकर कैरोलिन ने एक पॉडकास्ट में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि यह असामान्य बात है कि हम दोनों के बीच उम्र का फासला इतना अधिक है। यहां तक कि मेरे पति की उम्र तो मेरी मां से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि इस शादी को लेकर मेरे पैरेंट्स को भी शुरुआत में दिक्कतें थीं और वे इसे लेकर सहज नहीं थे। उनसे पॉडकास्ट में पूछा गया कि आपको अपनी उम्र के लड़के नहीं मिले, जो मैच्योर भी हों? इस पर लेविट ने हंसते हुए जवाब दिया कि यदि आप सच्चाई जानना चाहते हैं और ईमानदारी से कहूं तो यही सच है। उन्होंने कहा कि मेरी अपने रियल एस्टेट डिवेलपर पति निकोलस रिकियो से 2022 में मुलाकात हुई थी। हमारी मीटिंग एक म्युचूअल फ्रेंड के माध्यम से हुई थी। उस समय लेविट न्यू हैंपशायर से चुनाव में उतरी थीं, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेविट ने स्वीकार किया कि मेरे पैरेंट्स को इस रिश्ते को स्वीकार करने में समय लगा और शुरुआत में वे इससे असहमत थे। ऐसा इसलिए भी था कि मेरे पति रिकियो की उम्र मेरी मां से भी अधिक है। प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि शुरुआत में इस रिश्ते पर आगे बढ़ने में मुश्किल हुई थी। लेविट ने कहा कि मैंने जब पहली बार रिकियो को देखा तो सोचा कि यह कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पारिवारिक रिश्ते भी काफी अच्छे हैं। हम सभी एक दोस्त की तरह हैं। मेरे पति मेरे पैरेंट्स का बहुत सम्मान करते हैं। हम सभी लोग जब मिलते हैं तो बहुत मस्ती और मजाक भी होता है। उन्होंने कहा कि मेरे पति शानदार व्यक्ति हैं। उनकी उम्र पर जाना ठीक नहीं है। वह सेल्फ मेड इंसान हैं और काफी शानदार हैं।

मंगल पर नासा ने खोजा रहस्यमय 'एलियन पत्थर', ग्रह की प्राकृतिक बनावट से बिल्कुल अलग; वैज्ञानिक हैरान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के परसेवरेंस रोवर ने मंगल की सतह पर एक रहस्यमय पत्थर खोजा है। यह पत्थर लाल ग्रह की प्राकृतिक और भौगोलिक संरचना से बिल्कुल मेल नहीं खाता। वैज्ञानिकों ने 80 सेंटीमीटर लंबे इस पत्थर को फिप्साक्सला नाम दिया है। फिलहाल वे इसे एलियन रॉक के नजरिये से ही देख रहे हैं। इस पत्थर को 19 सितंबर, 2025 को लेफ्ट मास्टकैम-जेड कैमरे से तस्वीरों में कैद किया गया। उस समय रोवर जेजेरो क्रेटर के पास वर्नोडेन क्षेत्र की चट्टानों का नियमित अध्ययन कर रहा था। नासा ने इस खोज को अपने एक ब्लॉग में इस खोज को साझा किया है।

किसी अन्य सौरमंडल का हिस्सा हो सकता है फिप्साक्सला : यह पत्थर एक छोटी डेस्क जैसा दिखता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि हो सकता है कि फिप्साक्सला को किसी अन्य सौरमंडल से यहां लाया गया हो। दूसरा तर्क यह भी है कि यह किसी प्राचीन उल्कापिंड वर्षा का परिणाम हो सकता है। यह चट्टान जिस बेडरॉक पर टिकी है वह इसके लंबे समय तक सुरक्षित रहने का संकेत देती है। 2014 में मिला था लेबनान उल्कापिंड क्यूरियोसिटी रोवर ने 2014 में दो मीटर चौड़े लेबनान और 2023 में काकाओ नामक उल्कापिंड खोजे थे। इन खोजों के बाद वैज्ञानिक उम्मीद कर रहे थे कि जेजेरो में भी ऐसी धात्विक चट्टानें मिलेंगी, क्योंकि यह क्षेत्र काफी पुराना है और यहां अनेक छोटे प्रभाव-गड्ढे मौजूद हैं। यह उल्कापिंडों के नियमित गिरने का संकेत देते हैं। नासा अब इस रहस्यमयी चट्टान के इतिहास और उत्पत्ति की पुष्टि के लिए आगे की जांच कर रहा है।

दुनिया के सामने आएगा एपस्टीन फाइल में छिपा राज, ट्रंप ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने को दी मंजूरी

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी फाइलें जारी करने वाले बिल पर साइन कर दिया है। ट्रंप ने बुधवार देर शाम को इस बात की जानकारी दी। कांग्रेस ने इस बिल को पहले पास किया था। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के गलत कामों की अपनी जांच से मिली सारी जानकारी 30 दिनों के अंदर सर्च और डाउनलोड करने लायक फॉर्मेट में रिलीज करनी होगी। हालांकि, शुरुआत में ट्रंप ने इसका खुलकर विरोध किया था। जेफरी एपस्टीन एक दोषी यौन अपराधी था जिसकी 2019 में फेडरल कस्टडी में मौत हो गई थी। इससे पहले यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने मंगलवार को बिल पास करने के लिए 427-1 से वोट किया और बाद में सीनेट ने इसे मंजूरी दे दी। वोट से पहले दोनों पार्टियों के बीच संसद में तीखी बहस देखने को मिली। दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर डॉक्यूमेंट्स तक पब्लिक एक्सेस में देरी करने का आरोप लगाया। स्पीकर माइक जॉनसन ने ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'प्रेसिडेंट का इससे कोई लेना-देना नहीं है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। स्पीकर ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने का समर्थन तो किया, लेकिन डेमोक्रेट्स की इसे अभी आगे बढ़ाने के लिए आलोचना की। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने एपस्टीन के सभी डॉक्यूमेंट्स जारी करने का महीनों तक विरोध किया था, लेकिन पिछले रविवार को ट्रंप ने कहा कि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उनकी पार्टी के सदस्य फाइलों के खजाने को खोलने के लिए कानून के लिए वोट कर सकते हैं। ट्रंप कहा, 'यह डेमोक्रेट्स की प्रॉब्लम है। वे एपस्टीन के दोस्त थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर डेमोक्रेट्स को घेरते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'जेफरी एपस्टीन (जिन पर 2019 में ट्रंप जस्टिस डिपार्टमेंट ने आरोप लगाया था) पूरी जिंदगी डेमोक्रेट रहे। उन्होंने डेमोक्रेट नेताओं को हजारों डॉलर दान किए और कई जाने-माने डेमोक्रेट लोगों से गहराई से जुड़े थे, जैसे बिल क्लिंटन (जिन्होंने उनके प्लेन में 26 बार सफर किया), लैरी समर्स (जिन्होंने हाल ही में हार्वर्ड समेत कई बोर्ड से इस्तीफा दिया है), पॉलिटिकल एक्टिविस्ट रीड हॉफमैन, माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज (जिन्होंने एपस्टीन पर आरोप लगने के बाद उनसे अपने कैंपेन के लिए दान करने को कहा था), डेमोक्रेट कांग्रेस वुमन स्टेसी प्लास्केट और भी कई।' उन्होंने आगे कहा, 'शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके जुड़ाव की सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन की फाइलें जारी करने के लिए बिल पर साइन किया है। जैसा कि सभी जानते हैं, मैंने हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून से इस बिल को हाउस और सीनेट में पास करने के लिए कहा था। मेरे कहने पर, डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने पहले ही कांग्रेस को करीब पचास हजार पेज के डॉक्यूमेंट्स सौंप दिए हैं। मत भूलिए, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने डेमोक्रेट एपस्टीन से जुड़ी एक भी फाइल या पेज नहीं सौंपा और न ही उन्होंने कभी उनके बारे में बात की।

नेपाल: जेन-जी आंदोलन में 80 अरब की संपत्ति का नुकसान, उद्योगों से लेकर सरकारी ढांचे तक बड़ा नुकसान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आठ सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन और नौ सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान 8,000 करोड़ (80 अरब) से अधिक नेपाली रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। अर्थ (फाइनेंस) मंत्रालय के अनुसार, जेन-जी प्रदर्शन के दौरान देशभर में सार्वजनिक संपत्ति, निजी व्यवसाय, संस्थान व व्यावसायिक समूहों को मिलाकर 80.22 अरब नेपाली रुपये की क्षति की प्रारंभिक रिपोर्ट आई है। क्षति मूल्यांकन तथा पुनर्निर्माण अध्ययन उपसमिति ने प्रारंभिक रिपोर्ट पर अर्थ मंत्रालय में चर्चा की। सरकार जहां लगभग एक खरब रुपये तक की क्षति का अनुमान लगा रही थी, वहीं उपसमिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह राशि उससे लगभग 20 अरब रुपये कम बताई गई है। 80.22 अरब में से 39 अरब रुपये का निजी क्षेत्र को, 28 अरब का संघीय सरकार को, चार अरब का प्रांतीय सरकारों को तथा नौ अरब का स्थानीय संरचनाओं व उद्योग व्यवसायों को नुकसान हुआ है। बैठक में उपसमिति ने बताया कि अभी अंतिम विवरण आना बाकी है।

जेन-जी और ओली समर्थकों में हुआ टकराव, कर्फ्यू : भारत के सीमावर्ती नेपाल के बारा जिले में जेन-जी व सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसके बाद क्षेत्र में बुधवार को कर्फ्यू लागू कर दिया गया। सीपीएन-यूएमएल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी है। बारा जिले के प्रशासनिक कार्यालय ने बताया कि सिमारा हवाईअड्डे के 500 मीटर के दायरे में दोपहर 12:30 बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू रहेगा। यह फैसला जेन-जी व पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थकों के बीच टकराव के बाद लेना पड़ा। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ युवाओं की नारेबाजी के बाद बढ़ा तनाव पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में युवा सिमारा हवाईअड्डे पर जुट गए और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद दोनों पक्षों में टकरवा हो गया। यह टकराव उस समय हुआ, जब पार्टी महासचिव शंकर पोखरेल व युवा नेता महेश बस्नेत काठमांडो से सिमारा आने वाले थे, जहां दोनों नेता सरकार विरोधी रैली को संबोधित करने वाले थे।

आज ममदानी से मिलेंगे ट्रंप, जुबानी वार-पटलवार के बीच पहली बार होगा आमना-सामना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी उनसे शुक्रवार, 21 नवंबर को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। ट्रंप ने लिखा, 'कम्युनिस्ट मेयर ऑफ न्यूयॉर्क सिटी, जोहरान 'क्वामे' ममदानी ने मुलाकात का अनुरोध किया है। हम शुक्रवार को ओवल ऑफिस में मिलने पर सहमत हुए हैं। आगे और जानकारी दी जाएगी।'

चुनाव से पहले और बाद में तीखी बयानबाजी : ट्रंप और ममदानी के बीच चुनाव अभियान के दौरान से ही तीखा राजनीतिक टकराव चलता रहा है। ट्रंप ने चुनाव से ठीक पहले कहा था कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए 'पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही' साबित होगी। वहीं, जीत के बाद अपने जोशीले भाषण में ममदानी ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा था कि न्यूयॉर्क 'प्रवासी लोगों से चलता है, और अब एक प्रवासी इसे नेतृत्व देगा। उन्होंने ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर किसी को ट्रंप को हराना आता है, तो वह वही शहर है जिसने उन्हें जन्म दिया। और अगर किसी तानाशाह को डराना है, तो उसकी सत्ता की बुनियाद को बदल दो। ट्रंप, अगर आप देख रहे हैं, तो वॉल्यूम बढ़ा लीजिए।'

ट्रंप की प्रतिक्रिया- 'बहुत गुस्से वाला भाषण' : ट्रंप ने ममदानी के भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि इस रवैये से वे सफल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहल ममदानी को करनी चाहिए थी, 'मैं तो यहां हूं। देखेंगे क्या होता है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ही पहले संपर्क करना चाहिए था।' इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि 'मैं चाहता हूं कि नया मेयर अच्छा करे, क्योंकि मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं।'

कम्युनिज्म नहीं चला है- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहते रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि 'हजारों वर्षों में कम्युनिज्म कभी काम नहीं कर पाया है। मुझे नहीं लगता कि इस बार भी चलेगा।'

न्यूयॉर्क को मिला पहला दक्षिण एशियाई, मुस्लिम मेयर : जोहरान ममदानी ने बेहद कड़े मुकाबले में यह ऐतिहासिक जीत हासिल की। वे अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का नेतृत्व करने वाले पहले दक्षिण एशियाई और पहले मुस्लिम नेता बन गए हैं। उन्होंने रिपब्लिकन कैंडिडेट कर्टिस स्लिवा और पूर्व न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्र्यू क्यूओमो को हराया। क्यूओमो को चुनाव से ठीक पहले ट्रंप का समर्थन मिला था, फिर भी वह हार गए।

यूक्रेन के लिए योजना बना रहा अमेरिका, शांति बहाली के लिए भेजे गए शीर्ष सैन्य अधिकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए एक गोपनीय योजना पर काम कर रहा है। इस योजना से जुड़े एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि यह ट्रंप के कार्यकाल के सबसे अहम कूटनीतिक प्रयासों में से एक है। सीएनएन के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच चल रही गोपनीय बातचीत के मुख्य चेहरे हैं। वह इन वार्ताओं का नेतृत्व कर रहे हैं।

सूत्र ने कहा कि अमेरिकी अदिकारियों का मानना है कि क्रेमलिन किसी संभावित समझौते में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है, इसलिए इस हफ्ते बातचीत में तेजी आई है। इसी बीच सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल बुधवार को रक्षा मंत्रालय (जिसका नाम बदलकर अब युद्ध मंत्रालय कर दिया गया है) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम के साथ यूक्रेन पहुंचे। सेना के प्रवक्ता कर्नल डेव बटलर ने कहा कि वह युद्ध खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा करने और यूक्रेनी अधिकारियों से मिलने के लिए तथ्य जांच (फैक्ट-चेक) मिशन पर आए हैं। अमेरिका के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि यह दौरा राष्ट्रपति के आदेश पर किया गया है, ताकि सरकार के शांति प्रयासों को फिर से आगे बढ़ाया जा सके। रिपोर्ट में बताया गया है कि ड्रिस्कॉल राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अन्य शीर्ष यूक्रेनी नेताओं को युद्ध की वास्तविक स्थिति, हथियारों की जरूरत और संभावित कूटनीतिक तरीकों के बारे में जानकारी देंगे। इस यात्रा की जानकारी सबसे पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी थी। यूक्रेन के रक्षा मंत्री डेनिस शिमहाल ने टेलीग्राम पर ड्रिस्कॉल के साथ अपनी बैठक की पुष्टि की और दोनों की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने हर दिन

यूक्रेनी नागरिकों की जान बचाने में अमेरिकी समर्थन के लिए उनका आभार जताया। ड्रिस्कॉल पहले की बैठकों में नजर नहीं आए थे। लेकिन वह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। दोनों येल लॉ स्कूल में साथ थे। ड्रिस्कॉल मुख्य रूप से रक्षा खरीद के मामलों पर काम करते रहे हैं। उनके साथ आने वाले अन्य वरिष्ठ अधिकारियों में आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज, यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष कमांडर जनरल क्रिस डोनाह्यू और आर्मी के सार्जेंट मेजर माइकल वैमर भी शामिल थे। रूस के अधिकारियों ने भी शीर्ष स्तर पर वार्ता जारी होने की पुष्टि की और सीएनएन को बताया कि अमेरिका-रूस की बातचीत जारी है, जिसमें विटकॉफ भी शामिल हैं। रूसी विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने अक्तूबर में अमेरिका का दौरा किया था, जहां उन्होंने कई बैठकें कीं। एक रूसी सूत्र ने इन बैठकों को 'बहुत उत्पादक चर्चा' बताया। एक्सिओस की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच जिस मसौदे पर बातचीत हो रही है, वह 28 बिंदुओं का है और इसमें यूक्रेन व यूरोप की सुरक्षा गारंटी, साथ ही अमेरिका के दोनों देशों के साथ भविष्य के संबंधों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। जब इस बारे में पूछा गया, तो क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रिपोर्ट को कम महत्व दिया और कहा कि अभी बताने के लिए कुछ नई चीज नहीं है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

कांग्रेस नेता का पीएम मोदी पर तंज........ट्रंप नहीं आ रहे इसलिए जी20 लीडर्स समिट में जा रहे

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20वें जी20 लीडर्स समिट के लिए जोहान्सबर्ग रवाना हुए है। जिसे साउथ अफ्रीका के प्रेसिडेंट सिरिल रामफोसा आयोजित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस आयोजन में नहीं आ रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने तंज करते हुए कहा कि अगला जी 20 सम्मेलन अमेरिका में आयोजित होगा और तब देखना होगा कि प्रधानमंत्री मोदी क्या रास्ता चुनते हैं।

पीएम मोदी शुक्रवार को 3 दिवसीय यात्रा पर द.अफ्रीका रवाना हुए, जहां वे जोहानिसबर्ग में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले है। रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि वे 'वसुधैव कुटुंबकम' तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करने वाले है।

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, प्रधानमंत्री मोदी आज और कल दक्षिण अफ्रीका में हो रहे जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। वह इस यात्रा को पूरी सहजता के साथ इसलिए जा रहे हैं क्योंकि ट्रंप और अमेरिका इस शिखर सम्मेलन का बहिष्कार कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, याद करे कि कुछ दिन पहले पीएम मोदी कुआलालंपुर में होने वाले भारत-आसियान सम्मेलन में इसलिए नहीं गए थे, क्योंकि वहां उनका आमना-सामना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से होना था।

उन्होंने कहा, यह बेहद असाधारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका दक्षिण अफ्रीका के जी20 थीम-एकजुटता, समानता और सतत विकास का विरोध करता है, क्योंकि उनका मानना है कि यह अमेरिका-विरोधी हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, जी20 की अध्यक्षता हर साल बदलते रहती है।

भारत ने यह अध्यक्षता नवंबर 2023 में इंडोनेशिया से ली और नवंबर 2024 में ब्राज़ील को सौंपी थी। अब दक्षिण अफ्रीका को यह अध्यक्षता अमेरिका को सौंपनी है, जो इस बार शिखर सम्मेलन में मौजूद ही नहीं है।

उन्होंने कहा, अगला जी20 शिखर सम्मेलन एक साल बाद अमेरिका में होगा।

तब तक शायद अमेरिका के साथ भारत का व्यापार समझौता हो चुका होगा। लेकिन जिस तरह ट्रंप पिछले सात महीनों में 61 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोका था, कल्पना कीजिए कि आने वाले बारह महीनों में वे यह दावा कितनी बार और दोहरा सकते है।

भाजपा सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही :आप

नई दिल्ली

दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) ने रेखा गुप्ता सरकार और आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई पर निशाना साधा है। आप का आरोप है कि भाजपा सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही है। आप के अनुसार, भाजपा सरकार कई विशेष बैठकें बुलाकर और फांसी घर मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला को नोटिस जारी करके दिल्ली के गहराते पर्यावरणीय संकट और चरमराती सार्वजनिक सेवाओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए विधायी समितियों का इस्तेमाल कर रही है। आप ने कहा कि भाजपा विधायी समितियों को हथियार बना रही है।

आप ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही के मूल आधार पर ही सवाल उठाया है। आप ने बताया कि समिति द्वारा उद्धृत घटना अगस्त 2022 में सातवीं विधानसभा के कार्यकाल के दौरान हुई थी, जिसे फरवरी 2025 में भंग कर दिया गया था। आप का तर्क है कि एक बार विधानसभा भंग हो जाने पर, उसके विशेषाधिकार और कार्यवाही समाप्त हो जाती है। इसलिए, आठवीं विधानसभा पिछले कार्यकाल से संबंधित मामलों पर विशेषाधिकार प्राप्त कार्रवाई शुरू या जारी नहीं रख सकती। आप ने अमरिंदर सिंह बनाम पंजाब विधानसभा (2010) मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देकर कहा कि विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई कानूनी रूप से अस्थिर, प्रक्रियात्मक रूप से अस्थिर और पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। आप ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि भाजपा सरकार ने दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण संकट की अनदेखी करते हुए विशेषाधिकार समिति की विशेष बैठक बुलाई। पार्टी ने चिंता व्यक्त की कि डॉक्टर अब सार्वजनिक रूप से परिवारों को सलाह दे रहे हैं कि छोटे बच्चे या बुजुर्ग सदस्य होने पर वे दिल्ली छोड़ दें।

समुद्र, आकाश व महासागर की तुलना नहीं, वैसे संघ की तुलना किसी संगठन से नहीं

भागवत ने मणिपुर में सत्य पर आधारित संगठन को समझने पर दिया बल

इम्फाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मणिपुर दौरे पर हैं अपने दौरे से पहले दिन शुक्रवार को इम्फाल में गणमान्य व्यक्तियों की एक सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में भागवत ने संघ की सांस्कृतिक भूमिका, राष्ट्रीय जिम्मेदारियों और एक शांतिपूर्ण एवं सुदृढ़ मणिपुर के लिए चल रहे प्रयासों पर विचार किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस देश भर में चर्चा का विषय बना है, जो अक्सर धारणाओं और दुष्प्रचार से प्रभावित होता है।

संघ के कार्यों को अद्वितीय बताते हुए भागवत ने कहा कि आरएसएस की तुलना में कोई संगठन नहीं है, जैसे समुद्र, आकाश और महासागर की कोई तुलना नहीं है। आरएसएस का विकास स्वाभाविक है और इसकी कार्यप्रणाली इसकी स्थापना के 14 सालों के बाद साफ हो गई। इसे समझने के लिए शाखा जाना होगा। आरएसएस का उद्देश्य पूरे हिंदू समाज को संगठित करना है, जिसमें

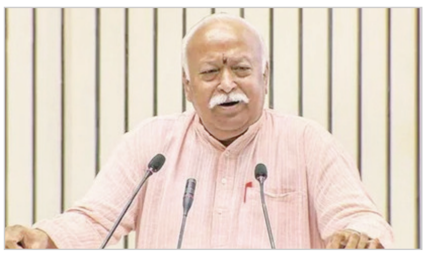

संघ का विरोध करने वाले भी शामिल हैं, न कि समाज के अंदर एक शक्ति केंद्र बनाना।

उन्होंने कहा कि आरएसएस के खिलाफ गलत सूचना अभियान 1932-33 की शुरुआत में ही शुरू हो गए थे, जिनमें भारत के बाहर के स्रोत भी शामिल थे, जिन्हें भारत और उसके सभ्यतागत लोकाचार की समझ का अभाव था। भागवत ने धारणा-आधारित आख्यानों के बजाय सत्य पर आधारित संगठन को समझने की जरुरत पर बल दिया।

पाकिस्तान को पनडुब्बियां दे रहा चीन, नौसेना ने खोली पूरी पोल

नई दिल्ली

इंडियन नेवी के डिप्टी चीफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने कहा कि नौसेना स्थिति पर नज़र रख रही है। देश की समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया जा रहा है। नवाचार और स्वदेशीकरण पर नई दिल्ली में स्वावलंबन 2025 कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इससे पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने माना कि चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान को नौसेना बेड़े में शामिल कर लिया है।विद्युत-चुंबकीय प्रक्षेपण प्रणाली से युक्त इस युद्धपोत को चीन का सबसे आधुनिक पोत बताया जा रहा है। पोत को इस महीने की शुरुआत में एक गोपनीय कार्यक्रम के दौरान सेवा में शामिल किया गया था। उस कार्यक्रम में चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग भी मौजूद थे। चीन की ओर से पाकिस्तान को पनडुब्बियां और दूसरे सैन्य उपकरण देने के बारे में उप नौसेना प्रमुख से सवाल पूछे गए। इस पर उन्होंने कहा, 'यह सच है और हमें इसकी पूरी जानकारी है। हमें पता है कि वे (चीन) उन्हें (पाकिस्तान को) पनडुब्बियां दे रहे हैं। इनकी तैनाती बहुत जल्द शुरू होगी। हम

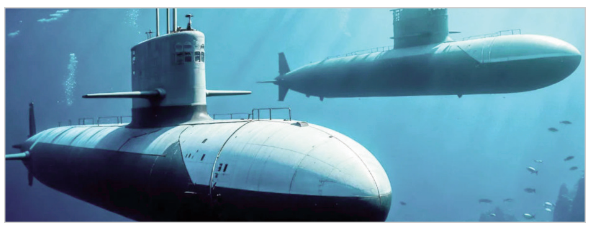

हर स्थिति पर नजर रख रहे हैं।दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी संसद को सौंपी गई एक हालिया रिपोर्ट की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह मई में चार दिन के संघर्ष के दौरान भारत पर पाकिस्तान की सैन्य सफलता के दावे का समर्थन करती है। हालांकि, पाकिस्तान के मुख्य सहयोगी चीन ने इस रिपोर्ट को भ्रामक जानकारी करार देते हुए खारिज कर दिया। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक कार्यक्रम में शरीफ ने सेना प्रमुख असीम मुनीर के नेतृत्व की भी सराहना की।

केरल-यूपी में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को भेजा नोटिस

मांगा जवाब, 26 नवंबर को फिर सुनवाई करेगा कोर्ट

नई दिल्ली

केरल और यूपी में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर उठते विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले पर अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा लागू की जा रही वह कवायद है जिसके तहत मतदाता सूची की गुप्त तरीके से पहचान और सत्यापन किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को लेकर कानूनी और नैतिक दोनों स्तरों पर सवाल खड़े हुए हैं और इसको चुनौती देते हुए कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं।

केरल सरकार, राज्य की राजनीतिक पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और अन्य की तरफ से दायर याचिका में एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना 9 और 11 दिसंबर के लिए पहले ही जारी की जा चुकी है। ऐसे में एसआईआर की प्रक्रिया चलाना न तो व्यावहारिक है और न ही निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के अनुकूल है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक चुनाव ड्यूटी में लगे हैं, ऐसे में उनसे एसआईआर का कार्य करवाया जाना संभव नहीं है।

केरल सरकार ने याचिका में कहा था कि लोकल बॉडी इलेक्शन के लिए सरकार को 1 लाख 76 हजार से ज्यादा सरकारी और क्वासी-गवर्नमेंट कर्मचारियों और 68 हजार सिक्योरिटी स्टाफ चाहिए। याचिका में कहा गया है कि एसआईआर के तहत 25,668 और अधिकारियों की जरूरत है, जिनमें से कई ट्रेंड इलेक्शन स्टाफ के उसी लिमिटेड पूल से लिए गए हैं।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरु के कार्य ऐतिहासिक अभिलेख नहीं

बल्कि राष्ट्र की विकसित अंतरात्मा को दर्शाते हैं

राहुल गांधी ने जवाहरलाल नेहरू के लेखन के डिजिटल संग्रह का किया उद्घाटन, की सराहना

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लेखन के एक व्यापक डिजिटल संग्रह के उद्घाटन की सराहना की और इसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक शक्तिशाली दिशासूचक बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि देश के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू के कार्य केवल ऐतिहासिक अभिलेख नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र की विकसित होती अंतरात्मा को दर्शाते हैं, जो उसके साहस, शंकाओं और आकांक्षाओं को समेटे हुए है। संग्रह के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू के लेखन आधुनिक भारत को आकार देने वाली चुनौतियों और विजयों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- नेहरूजी के लेखन केवल इतिहास नहीं हैं, वे भारत की विकसित होती अंतरात्मा का अभिलेख हैं। हमारे राष्ट्र की लोकतांत्रिक यात्रा- उसके साहस, उसके संदेहों, उसके सपनों को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए, उनके शब्द एक शक्तिशाली दिशासूचक बने हुए हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सभी के लिए खुली, खोज योग्य और मुफ़्त है। इसका विस्तार होता रहेगा। जवाहरलाल नेहरू की चुनिंदा कृतियां का पूर्णतः डिजिटलीकरण कर दिया गया है। नए लॉन्च किए गए डिजिटल संग्रह में नेहरू के निबंध, पत्र, भाषण और व्यक्तिगत विचार स्वतंत्र रूप से सुलभ और खोज योग्य हैं, जिससे शोधकर्ता, छात्र और नागरिक भारत के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरु के विचारों को एक सुविधाजनक प्रारूप में खोज सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

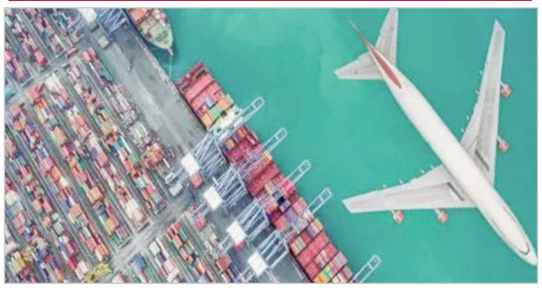

भारत में मेटल और माइनिंग शेयरों का भविष्य बेहतर, रिपोर्ट में बताया गया

नई दिल्ली भारत में घरेलू स्तर पर अच्छी मांग के कारण मेटल और माइनिंग शेयरों का भविष्य बेहतर दिख रहा है और इन्हें वैश्विक मेटल कंपनियों के मुकाबले प्रीमियम वैल्यूएशन मिलता रहेगा। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया कि समृद्ध संसाधन भंडार और सहायक नियामक नीतियों के कारण, इस क्षेत्र के लिए यह एक अच्छा वर्ष रहा है, और आगे भी अच्छा प्रदर्शन रहेगा। रिपोर्ट में बताया गया, यह शहरीकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च से प्रेरित मजबूत, टिकाऊ मांग का परिणाम है। देश के विशाल लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट और जस्ता भंडार भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर सबसे कम लागत वाले उत्पादक बनाते हैं और सहायक नियामक नीतियां विशेष रूप से चीन से कम लागत वाले आयातों से सुरक्षा प्रदान करती हैं। एक शोध फर्म ने बताया कि चीन की कैपेसिटी कैप और ग्लोबल डिमांड में स्थिरता की वजह से एल्युमिनियम उसकी पहली पसंद है। इतना ही नहीं चांदी को लेकर भी हमारा नजरिया सकारात्मक है और उम्मीद है कि अधिक मांग को देखकर कीमतें मजबूत रहेंगी। भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला स्टील मार्केट है, लेकिन डिमांड के सीजनल होने और चीन में स्टील का कम प्रोडक्शन होने की वजह से हम स्टील स्टॉक्स को अधिक साइक्लिकल मानते हैं। रिपोर्ट में प्रीमियम वैल्यूएशन को सपोर्ट करने के लिए पॉजिटिव फैक्टर्स का जिक्र है, जैसे कि भारतीय मेटल्स और माइनिंग स्टॉक्स की बड़े मार्केट्स के हिसाब से री-रेटिंग की गई है। बैलेंस शीट्स काफी मजबूत हैं क्योंकि कंपनियों ने डीलेवरेज किया है, और लॉन्ग-टर्म आउटलुक अच्छा है क्योंकि जीडीपी ग्रोथ में मेटल की मांग बढ़ रही है। हालांकि, रिपोर्ट में चीन या यूएस में मंदी, ग्लोबल ग्रोथ में तेज गिरावट और मजबूत यूएस डॉलर से नुकसान के रिस्क की चेतावनी दी है, जिससे कंपनियों पर कैश फ्लो का दबाव बन सकता है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में देश का दूसरा जेन-जी थीम आधारित पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन

नई दिल्ली भारतीय डाक विभाग ने देश के शैक्षणिक संस्थानों के डाक घरों को नई पीढ़ी से जोड़ने की मुहिम में लगा है। इस अभियान के तहत विभाग ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में देश का दूसरा जेन-जी थीम आधारित पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन किया है। इसका मकसद छात्रों और युवाओं के जीवन के साथ कदम से कदम मिलाने का है। इस पोस्ट ऑफिस में परिवर्तन कर जेन-जी को ध्यान में रखकर फिर से डिजाइन किया है। पोस्ट ऑफिस को रि-डिजाइन करने में मिरांडा हाउस एडवाइजरी फाइन आर्ट्स सोसाइटी की मदद ली गई है। पोस्ट ऑफिस को युवा आधारित पहचान देने के लिए इसमें दीवार पर चित्र, फ्री वाई-फाई, पार्सल पैकिंग सर्विस जैसी सुविधाओं से लैस किया गया है। दरअसल, पोस्ट ऑफिस का कायाकल्प सरकार की उस योजना का हिस्सा है, जिसमें अगले साल जनवरी तक देश के 46 शैक्षणिक संस्थानों को नया रूप देने का लक्ष्य बनाया है। इससे पहले डाक विभाग इस मुहिम के तहत आईआईटी दिल्ली के पोस्ट ऑफिस को भी री- लांच कर चुका है। मोदी सरकार का कहना है कि इस मुहिम के जरिए वे देश के युवाओं से कनेक्ट करना चाहती है। यहां स्टूडेंट्स के लिए स्पीड पोस्ट छूट जैसी सुविधाएं हासिल की जा सकती है। यह परिवर्तन एक राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है। इस कार्यक्रम का एक प्रमुख स्तंभ छात्र भागीदारी है, जिसमें भारतीय डाक छात्रों को ब्रांड एंबेसडर, डिज़ाइन तत्वों के सह-निर्माता और सोशल मीडिया आउटरीच में सहयोगी के रूप में शामिल करता है।

स्ट्रीट डॉग्स को हटाकर शेल्टर होम में रखने का निर्देश, सोनाली खुश नहीं सुप्रीम कोर्ट के फैंसले से

मुंबई अभिनेत्री और पशु अधिकार समर्थक सोनाली बेंद्रे ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर चिंता जाहिर की है, जिसमें रेलवे स्टेशन, पार्क और अन्य सार्वजनिक जगहों से स्ट्रीट डॉग्स को हटाकर शेल्टर होम में रखने का निर्देश दिया है। सोनाली ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपने विचार रखते हुए कहा कि देश में इतने सारे कुत्तों को रखने के लिए पर्याप्त शेल्टर होम उपलब्ध नहीं हैं। इतने सारे कुत्तों को एक साथ रखने से उनमें बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा। जो लोग कुत्तों से नफरत करते हैं, वे इस फैसले का गलत फायदा उठाकर गलत तरीकों से उनके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं। लोकल लोग स्ट्रीट डॉग्स को खाना खिलाकर प्यार जताते हैं। शेल्टर होम में जाने के बाद यह सुनिश्चित करना मुश्किल होगा कि उन्हें खाना खिलाया गया है या नहीं, जिससे उनकी देखभाल प्रभावित होगी। सोनाली ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- वे सुरक्षा करते हैं, साथ देते हैं और बदले में कुछ नहीं मांगते। इस तरह का एक भी फ़ैसला हमारे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का पशु प्रेमियों ने विरोध किया था। फैसले के खिलाफ याचिका भी डाली गई थी, लेकिन कोर्ट ने 7 नवंबर को इस फैसले में बदलाव करने से इंकार किया।

असली वोटों और कुल वोटरों की संख्या में अंतर के दावों को आयोग ने किया खारिज

गलत डेटा में पोस्टल बैलेट को शामिल नहीं किया, जिससे शक पैदा हुआ

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनावों में असली वोटों और कुल वोटरों की संख्या में भारी अंतर के बड़े दावों के बीच, चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मिसमैच थ्योरी को खारिज कर दिया। आयोग ने झूठे दावों को उजागर करने के लिए पोस्टल बैलेट समेत पोलिंग डेटा का हवाला दिया। सोशल मीडिया पर वायरल दावों में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव में डाले गए वोटों की संख्या रजिस्टर्ड वोटरों की कुल संख्या से ज्यादा थी, जिससे पोलिंग प्रोसेस में गड़बड़ी और धांधली का पता चलता है।

दावा किया गया कि चुनाव आयोग ने एसआईआर के बाद 30 सितंबर को जारी अपनी फाइनल लिस्ट में कुल 7.42 करोड़ वोटर्स दिखाए थे, लेकिन 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए खत्म हुए मतदान के बाद पोल पैनल ने अपने बयान में कुल वोटर्स की संख्या 7.45 करोड़ दिखाई। खास बात यह है कि चुनाव आयोग ने 17 नवंबर को जारी अपने फाइनल इंडेक्स कार्ड में वोटर टर्नआउट को रिकॉर्ड 67.13 फीसदी बताया था। पोल पैनल ने शुक्रवार को इन बातों पर ध्यान दिया और वोटर्स के बीच अंतर के दावों को गलत बताया। आयोग ने कहा कि गलत डेटा में पोस्टल बैलेट को शामिल नहीं किया गया है, जिससे पोलिंग प्रक्रिया की ईमानदारी पर शक पैदा होता है।

आयोग डेटा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बिहार चुनाव में कुल 2,01,444 पोस्टल बैलेट डाले

गए, जिनमें से 23,918 रिजेक्ट हो गए। ईवीएम और पोस्टल बैलेट दोनों में कुल 9,10,730 वोटरों ने नोटा चुना। पोल पैनल ने कहा कि ईवीएम वोट और पोस्टल बैलेट को मिलाकर, वैलिड वोटर्स की संख्या ऑफिशियल नंबर से पूरी तरह मेल खाती है, जिससे चुनाव आयोग का डेटा 100 फीसदी सही है।

विदाई समारोह में सीजेआई गवई ने ऐसा क्या कहा, पूरा कोर्टरूम ठहाकों से गूंज उठा

नई दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई 23 नवंबर (रविवार) को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, इसलिए शुक्रवार उनका अंतिम वर्किंग डे था। सुप्रीम कोर्ट ऐडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन ने गुरुवार को उनके लिए विदाई समारोह रखा था। कोर्टरूम नंबर 1 में उनकी अंतिम औपचारिक सुनवाई के दौरान, एक वकील ने उन्हें सम्मान देने के लिए उन पर फूल बरसाने की तैयारी की। जैसे ही सीजेआई गवई ने फूल देखकर तुरंत वकील को रोक कर कहा, नहीं नहीं, इस फेंकिए नहीं। इन फूलों को किसी को दे दीजिए। इस पर पूरा कोर्टरूम ठहाकों से गूंज उठा। सीजेआई गवई के बाद जस्टिस सूर्यकांत प्रधान न्यायाधीश का पद सोमवार को संभालने वाले है। अंतिम कार्य दिवस के मौके पर उन्होंने धर्मनिरपेक्षता पर बात की। उन्होंने कहा कि वह

व्यक्तिगत रूप से बौद्ध धर्म का पालन करते हैं, लेकिन वह वास्तव में धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति हैं और सभी धर्मों (हिंदू, सिख, इस्लाम, ईसाई) में उनका विश्वास है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह गुण अपने पिता से सीखा, जो धर्मनिरपेक्ष थे और डॉ. आम्बेडकर के अनुयायी थे। सीजेआई गवई ने अपनी सफलता का श्रेय डॉ. आम्बेडकर और संविधान को दिया, जिसके कारण ही एक साधारण पृष्ठभूमि का लड़का इस पद तक पहुंच सका। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारतीय संविधान के चार आधारभूत सिद्धांतों - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के अनुसार जीने की कोशिश की है।